छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 296 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 21 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़-ओड़िशा राज्य के लोगों से 'रोटी' और 'बेटी' का है संबंध

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बोलीं- आदिवासी संस्कृति को जीवित रखना बहुत जरूरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के पीजी कॉलेज ग्राउंड में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल हुईं। अपने संबोधन की शुरूआत वे नमस्कार...जय जोहार से कीं और भगवान बिरसा मुंडा, छत्तीसगढ़ महतारी, मां महामाया का जयकारा लगाने के बाद करीब 13 मिनट के उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के इस कार्यक्रम में शामिल होने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओड़िशा की सीमा एक दूसरे लगी हुई है। दोनों राज्य के लोगों से उनका रोटी और बेटी का संबंध है। छत्तीसगढ़ के लोग ओड़िशा में शादी करते हैं और ओडिशा वाले छत्तीसगढ़ में शादी करते हैं। ओडिशा और छत्तीसगढ़ की दोस्ती बहुत पुरानी है। झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओड़िशा में जनजाति समाज की विरासत बहुत गहरी है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में आने के बाद अपनापन महसूस हो रहा है। मैं भी जनजाति समाज की बेटी हूं और जनजाति परिवार में जन्म लेने पर मुझे बहुत गर्व है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आगे कहा कि आदिवासी संस्कृति को जीवित रखना बहुत जरूरी है। छत्तीसगढ़ के जनजाति समाज के लोग अपनी संस्कृति और परंपरा को बनाए रखे हुए हैं, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं। जनजाति समाज की परंपरा को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं। शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही कहा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन सुनिश्चित होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजाति समाज का इस देश में बहुत बड़ा योगदान है। आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि यह बेहद खूबसूरत और सुंदर है। उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रमों में वे जब जाती हैं तो जनजाति परिवार के लोगों से मुलाकात करती हैं। जनजाति महिलाओं से मुलाकात करने पर उन्हें गर्व महसूस होता है। स्थानीय स्तर पर भी जनजाति समाज की संस्कृति और उनके विकास को प्राथमिकता से ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य 25 साल का हो गया है, यहां रहने वाले सभी लोगों को बधाई। भगवान बिरसा मुंडा के इस कार्यक्रम में शामिल होने और उनकी प्रतिमा का माल्यार्पण करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंच से तारीफ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाने, जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय बनाने और शासकीय योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंच से तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है, और इसकी झलक बस्तर की 'मुरिया दरबार' जैसी जनजातीय परंपराओं में भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा की जनजातीय विरासत अत्यंत समृद्ध और आपस में जुड़ी हुई है। राष्ट्रपति ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति भवन में 'जनजातीय दर्पण' संग्रहालय की स्थापना की गई है। वहां आदिवासी कला और संस्कृति को विशेष स्थान दिया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित आदि कर्मयोगी अभियान, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान तथा प्रधानमंत्री जनमन अभियान को जनजातीय समाज के उत्थान हेतु महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएं देश के करोड़ों आदिवासी परिवारों को शिक्षा, आजीविका, स्वास्थ्य और विकास के नए अवसर प्रदान कर रही हैं। राष्ट्रपति ने बताया कि दिल्ली में आयोजित 'आदि कर्मयोगी' राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के आदिवासी विकास विभाग को उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

सांस्कृतिक विरासत और वीर पूर्वजों को याद करने का दिन-राज्यपाल

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका ने जनजातीय गौरव दिवस के समारोह में कहा कि यह दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सांस्कृतिक विरासत और उन वीर पूर्वजों को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने जनजातीय इतिहास को गौरवशाली अध्यायों से भर दिया। राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति के बीच उपस्थित होना उनके लिए अत्यंत हर्ष और सम्मान का विषय है। समारोह में उपस्थित देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का सम्मान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि एक साधारण परिवार से निकलकर राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की उनकी प्रेरक यात्रा पूरे भारत के लिए उदाहरण है। छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं जनजातीय समाज की गोद में पले-बढ़े हैं, और उनकी जीवन-यात्रा बताती है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी दुनिया में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की जा सकती है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने उनके व्यक्तित्व और संघर्ष के कई प्रेरक प्रसंगों को याद किया। उन्होंने कहा बिरसा मुंडा ने नशाखोरी, अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ साहसिक अभियान चलाया। उनके नेतृत्व में हुआ 'उलगुलान' ब्रिटिश शासन को चुनौती देने वाला ऐतिहासिक आंदोलन हुआ, जिसने जनजातीय स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय वीर गाथाओं को भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह, राजा गेंद सिंह, कंगला मांझी, वीर सीताराम कंवर और गुंडाधुर जैसे महानायकों ने अपने बलिदान और संघर्ष से स्वतंत्रता आंदोलन और जनजातीय गौरव को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, उनका योगदान प्रदेश की स्मृतियों में सदा अमर रहेगा।

ममतामयी राष्ट्रपति की छत्तीसगढ़ पर विशेष कृपा-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि राष्ट्रपति महोदया ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद इस समारोह में शामिल होकर प्रदेश की गरिमा बढ़ाई है। कुछ दिन पूर्व नक्सल पीड़ित परिवारों से राष्ट्रपति महोदया की भेंट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रत्येक पीड़ित से आत्मीयता से हाल-चाल जानकर अपनी ममतामयी छवि प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की छत्तीसगढ़ पर विशेष कृपा है। छत्तीसगढ़ का इतिहास अत्यंत समृद्ध है और यहां के आदिवासी समाज ने देश की स्वतंत्रता में अमूल्य योगदान दिया है। हाल ही में एक नवम्बर को आयोजित रजत महोत्सव में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उपस्थित रहे, उन्होंने आजादी की लड़ाई से जुड़े आदिवासी महापुरुषों पर आधारित म्यूजियम का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि जनजातीय विद्रोह के नायकों की स्मृति को सहेजने हेतु शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-संग्रहालय का निर्माण किया गया है, जिसे राज्य स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा जनता को समर्पित किया गया। यह देश का पहला जनजातीय संग्रहालय है, जिसमें डिजिटल माध्यम से जनजातीय गौरवगाथा को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के करकमलों से आज जनजातीय विद्रोह के नायकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारजनों का सम्मान होना सभी के लिए गौरव का विषय है। साथ ही जनजाति एवं उप-जनजाति प्रमुखों को भी सम्मानित किया गया, जो अपने ज्ञान और अनुभव से समाज को निरंतर जागरूक कर रहे हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचा विकास का उजाला

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत प्रदेश के 53 विकासखंडों की 2,365 बसाहटों में तीव्र गति से विकास कार्य हो रहे हैं, जिसके लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रपति के द्वारा पुरस्कृत किया गया है। इसी प्रकार, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत राज्य के 32 जिलों के 6,691 गांवों में विकास के कार्यों का लाभ दिया जा रहा है। इस योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए भी छत्तीसगढ़ को राष्ट्रपति से सम्मान प्राप्त हुआ है। जनजातीय समाज के आजीविका से वनोपज का महत्वपूर्ण आधार होने की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों की संग्रहण राशि 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये कर दी गई है, चरण पादुका वितरण पुनः प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद अब अंतिम चरण में है, और मार्च 2026 तक इसके समूल नष्ट होने के लक्ष्य की ओर प्रदेश तेजी से अग्रसर है। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के चलते नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास का उजाला पहुंचा है। आकर्षक पुनर्वास नीति के कारण कई भटके हुए लोग मुख्यधारा से जुड़कर सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है और सरकार की विभिन्न योजनाओं से जनजातीय समाज निरंतर लाभान्वित हो रहा है।

जनजातीय समाज तथा प्रदेशवासियों का हुआ सम्मान-नेताम

आदिम जाति विकास विभाग मंत्री राम विचार नेताम ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा आज सरगुजा क्षेत्र और देश का समस्त जनजातीय समाज स्वयं को विशेष रूप से गौरवान्वित महसूस कर रहा है क्योंकि राष्ट्रपति महोदया ने अपने आगमन से जनजातीय समाज तथा प्रदेशवासियों के सम्मान में वृद्धि की है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया, इसी परिप्रेक्ष्य में आज का यह भव्य आयोजन हो रहा है, जिसकी गरिमा राष्ट्रपति की उपस्थिति से कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और प्रेरणा से भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती से जनजातीय गौरव दिवस की परंपरा प्रारंभ हुई, आज उनकी 151वीं जयंती पर देश भर के जनजातीय समाज का पुनः एकत्रित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनजातीय समाज के गौरवपूर्ण इतिहास को स्मरण करना, उसे सुरक्षित रखना और भविष्य की दिशा को प्रेरित करना इसका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजातीय वर्ग के लिए आवास, बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु अभूतपूर्व योजनाएं संचालित की जा रही हैं। भारत सरकार के सहयोग से इन वर्गों का समग्र विकास तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।

बिरसा मुंडा सामज सुधारक एवं आध्यात्मिक गुरु थे-उईके

केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड या जनजाति समाज के नायक ही नहीं थे बल्कि पूरे भारतवर्ष के लिए स्वाभिमान, सम्मान, गौरव, गरिमा और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे। भगवान बिरसा मुंडा ने अपने जीवन का हर क्षण जनहित और स्वतंत्रता के संघर्ष के लिए समर्पित किया। उन्होंने अपने समाज को संगठित किया, उन्हें आत्मसम्मान और स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाया। बिरसा मुंडा केवल एक योद्धा नहीं बल्कि एक सामाजिक सुधारक एवं आध्यात्मिक गुरु भी थे। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन यह सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति चाहे उसका जन्म किसी भी समाज में हुआ हो, अगर उसके भीतर सच्ची लगन और आत्मबोध है तो वह इतिहास बदल सकता है। बिरसा मुंडा ने हमें सिखाया कि विकास का अर्थ केवल भौतिक प्रगति नहीं बल्कि सांस्कृतिक पहचान और आत्मसम्मान की रक्षा भी है। आजादी के अमृत काल में देश भर के जनजाति समाज के महानायक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, महापुरुषों को चिन्हित करके उन्हें इतिहास में उचित स्थान दिया जा रहा है।

मंच पर 9 लोगों को मिला स्थान

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मंच पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ नौ लोगों को ही स्थान मिल पाया। मंच में इनके अलावा सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज, केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके, छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री ओपी चौधरी, रामविचार नेताम, केदार कश्यप, तोखन साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंत्री राजेश अग्रवाल, श्याम बिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े, विधायकों में प्रबोध मिंज, रामकुमार टोप्पो, रायमुनी भगत, गोमती साय, पुरंदर मिश्रा, किरण सिंह देव के अलावा अन्य विधायकों, महापौर मंजुषा भगत भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति से मिलने निकले पण्डो जनजाति के लोगों को चेकपोस्ट पर रोकने से आक्रोश

राष्ट्रपति से मिलने के लिए लगाई गुहार, बाद में उल्टे पांव वापस लौटे घर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची पण्डो जनजाति के लोगों को जिला प्रशासन ने बीच रास्ते में ही रोक दिया। जिस जनजाति से आने वाली देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति सरगुजा पहुंची थीं, उसी जनजाति के लोग उनसे मिलने के लिए तरस गए।

दरअसल लखनपुर विकासखंड के ग्राम परसोड़ीकला के पण्डो जनजाति के लोग राष्ट्रपति का स्वागत करने और उनसे मिलने अंबिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान पहुंचने के लिए निकले थे। जैसे ही उनकी गाड़ियां सिंगीटाना क्षेत्र के चेकपोस्ट के पास पहुंची, जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें आगे जाने से रोक दिया और वापस लौट जाने को कहा। इसके बाद पण्डो समाज के लोग चेकपोस्ट से करीब 100 मीटर पीछे सड़क किनारे धरने पर बैठ गए और राष्ट्रपति से मुलाकात की गुहार लगाने लगे। इनका कहना था कि 'राष्ट्रपति मां हमारी ही बेटी हैं, उन्होंने हमें गोद लिया है, हम अपनी पीड़ा उनसे कहना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने हमें अपमानित किया।' ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एसईसीएल की अमेरा ओपनकास्ट कोल माइनिंग प्रोजेक्ट का लगातार विरोध करने के कारण प्रशासन ने जान-बूझकर उन्हें कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंचने दिया। इनका कहना था राष्ट्रपति खास तौर पर पण्डो जनजाति से मिलने सरगुजा आई थीं, लेकिन हमें ही उनसे मिलने नहीं दिया गया। घंटों इंतजार के बाद भी जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो आक्रोशित ग्रामीण वापस अपने गांव लौट गए। इस घटना से पण्डो समाज में भारी रोष है और लोग इसे अपनी बेटी का अपमान बता रहे हैं। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने परसोड़ीकला गांव को गोद लिया है और पहले भी वहां की समस्याओं को सुनने का आश्वासन दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि खदान के कारण उनका गांव विस्थापन के कगार पर है और वे इस पीड़ा को राष्ट्रपति तक पहुंचाना चाहते थे।

एनडीपीएस एक्ट के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में रामानुजगंज पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। प्रकरण में अब तक कुल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने तूफानी पासवान 25 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 06, रामानुजगंज को गिरफ्तार किया है, जो पिछले कुछ दिनों से फरार चल रहा था।

गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देश पर नशे के सौदागरों पर कड़ी नजर रखी जा रही थी। इसी कड़ी में 12 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मंटू सोनी को रिंग रोड, रामानुजगंज से गिरफ्तार किया था। आरोपी नशे के इंजेक्शन और टेबलेट बेचने के प्रयास में था। उसके कब्जे से पुलिस ने 210 नग अल्प्राजोलम टेबलेट, 7 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन, 5 नग एविल इंजेक्शन जप्त किया था और आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा था। जांच के दौरान पाए गए नशे की दवा सप्लाई करने वाले आरोपियों दिलीप उर्फ भलटू गुप्ता निवासी झारखंड एवं रमेश कश्यप रामानुजगंज निवासी को भी गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। इसी मामले में फरार चौथे आरोपी तूफानी पासवान को 19 नवंबर को पुलिस की टीम ने पकड़ा और न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार एक युवक की मौत, दो घायल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ट्रक की ठोकर से मोटरसायकल सवार एक युवक की मौत हो गई, दो घायल हो गए। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के लालमाटी की है। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। जानकारी के मुताबिक लालमाटी निवासी दीपक एक्का पिता कृष्णा एक्का 18 वर्ष, बुधवार की शाम करीब 7.30 बजे मोटरसायकल में सवार होकर अरविन्द एक्का और आयुष केरकेट्टा के साथ जा रहा था, इसी दौरान पीछे से आ रही ट्रक क्रमांक एचआर 39 ई 7482 के चालक ने टक्कर मार दिया, जिसमें मोटरसायकल में पीछे बैठा दीपक एक्का सड़क पर गिर गया, और ट्रक का चक्का उसके ऊपर से पार हो गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। दो अन्य युवक सड़क के दूसरे हिस्से में गिरे थे, जिसमें उन्हें सामान्य चोटें आई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। दुर्घटनाकारित ट्रक को जप्त करके पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

जिले में अब तक 1557.20 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ हो गया है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। चालू सीजन में धान बेचने के लिए 47723 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

इसी तारतम्य में जिले में अब तक 15 समितियों में किसानों से कुल 1557.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, जिसमें धान खरीदी केन्द्र कुसमी में 20 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार जवाहरनगर में 26.40, कामेश्वरनगर में 266, चांदों में 32, जमड़ी में 20, तातापानी में 79.20, बरतीकला में 28.80, बलंगी में 12, बलरामपुर में 12, भंवरमाल में 388.80, महाराजगंज में 70.40, विजयनगर में 252, रघुनाथनगर में 40, विरेन्द्रनगर में 226.80 एवं सरना में 82.80 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया है कि सुचारू रूप से धान खरीदी करने हेतु धान उपार्जन केन्द्रों में साफ-सफाई, फेसिंग की व्यवस्था, विद्युत, जनरेटर, कंप्यूटर सेट, बारदाने, आद्रता मापी यंत्र, तौल-बाट की व्यवस्था की गई है।

शासन की नीतियों से किसानों को मिल रहा उचित दाम

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। शासन के निर्देशानुसार धान उपार्जन केन्द्रों में किसान धान बिक्री के लिए उत्सुक है। धान उपार्जन केन्द्रों में किसान अपने धान लेकर

पहुंच रहे हैं। धान खरीदी केन्द्र तातापानी में धान बेचने आये ग्राम तातापानी के कृषक श्री विश्वनाथ ने बताया कि उनका पौने छः एकड़ खेती जमीन है। धान विक्रय के लिए 198 बोरी धान लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष राज्य शासन द्वारा 3100 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदी से बड़ी राशि मिली थी। जिसका उपयोग उन्होंने खेती-किसानी और घरेलू खर्च में किया था। कृषक श्री विश्वनाथ ने कहा कि राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों को अच्छी कीमत मिल रहा है, जिससे आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा खरीदी केन्द्र इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र में तौलाई की गई। साथ ही हमालों की भी व्यवस्था है। टोकन भी आसानी से प्राप्त हो जा रहा है, शासन प्रशासन द्वारा टोकन के लिए ऑनलाइन भी सुविधा है, जिससे खरीदी केंद्रों में इंतजार नहीं करना पड़ता, जो बहुत ही सुविधाजनक है।

उन्होंने कहा कि शासन द्वारा किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। जिससे हम किसान सही मूल्य पर अपने धान की बिक्री कर पा रहे हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया।

एसईसीएल अंतर क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता आज से

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल अंतर क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा 20 से 22 नवंबर तक किया जाएगा। स्थानीय गौरीशंकर मंदिर दशहरा प्रांगण स्थित ऑडिटोरियम में उक्त आयोजन किया जाएगा।अंतर क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ गुरुवार 20 नवंबर को प्रातः 10 बजे क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह करेंगे।

प्रतियोगिता का समापन 22 नवंबर को दोपहर 3 बजे होगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि निदेशक मानव संसाधन एसईसीएल बिलासपुर बिरंची दास होंगे। आयोजन में विभिन्न श्रम संघों के प्रतिनिधि कंपनी स्टेयरिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

अंतर क्षेत्रीय प्रतियोगिता में एसईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों सहित कंपनी मुख्यालय सहित दर्जन भर से अधिक टीमें शिरकत करेंगी।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान अंतर्गत जिले के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

100 विद्यार्थियों को मिला सरगुजा संभाग के विभिन्न संस्थानों का प्रत्यक्ष अनुभव

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन और जिला शिक्षा अधिकारी एम.?आर. यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण कार्यक्रम में सभी विकासखण्डों से चयनित 100 बालक-बालिकाओं ने सरगुजा संभाग के प्रमुख शैक्षणिक एवं औद्योगिक संस्थानों का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने सरगुजा कृषि विज्ञान केन्द्र, शक्कर कारखाना, राजमोहनी देवी कृषि महाविद्यालय (अजिरमा) तथा दरिमा हवाई पट्टी (अम्बिकापुर) का दौरा किया। विद्यार्थियों को इन संस्थानों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिला। इस दौरान विशेषज्ञों ने बच्चों को आधुनिक तकनीकों, उद्योगों में होने वाली प्रक्रियाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विविध प्रयोगों, मशीनों, शोध कार्यों को करीब से देखा और समझा।भ्रमण के दौरान बच्चों में उत्साह देखने को मिला। जिला शिक्षा अधिकारी एम.?आर. यादव ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों में विज्ञान एवं नवाचार के प्रति रुचि बढ़ेगी। आगे भी समय समय पर ऐसे शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी की। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 21वीं किश्त-सम्मान राशि वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के 24 लाख 70 हजार 640 किसानों को 494 करोड़ 12 लाख रूपये का हस्तांतरण किया गया। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र सहित सभी विकासखंड अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित कर सीधा प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। जहां किसान कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस योजना अंतर्गत जिले के 61,142 से अधिक किसानो के बैंक खातों में 12.23 करोड़ रूपये की राशि सीधे हस्तांतरित की गई है, जिससे किसानो को

आर्थिक मजबूती मिली है।

उल्लेखनीय है कि शासन किसानों को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है और जनहितकारी नीतियों से किसानों को लाभांवित करने प्रयासरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने तथा जनहितकारी नीतियाँ लागू कर लाभान्वित कर रही हैं। किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री बद्री यादव, गणमान्य नागरिक श्री गोपाल कृष्ण मिश्र, मुन्नालाल चौधरी जिला, जनपद सदस्य श्री समीर सिंह, ग्राम जाबर के सरपंच श्री उदयराम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. जी.के. निगम, कृषि वैज्ञानिक श्री अनिल कुमार सोनपाकर, श्रीमती आरती कुजूर, डॉ. अनुप कुमार पॉल, श्री देवेन्द्र कुमार, श्री अर्पण खलखो एवं उपसंचालक कृषि श्री रामचंद्र भगत और सहायक संचालक कृषि डॉ. परमान्द वर्मा सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने किया विभिन्न धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अपर कलेक्टर आर.एन. पाण्डेय ने धान खरीदी केन्द्र महराजगंज एवं चांदो का निरीक्षण किया।

उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में लगाये गए कर्मचारियों की उपस्थिति देखी। उन्होंने उपार्जन केंद्रों पर धान की खरीद प्रक्रिया, काटे गए टोकन और खरीदे गए धान के विवरण की जानकारी ली उन्होंने कहा कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी हो और किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। अपर कलेक्टर ने धान की नमी और वजन की जांच कराई और खरीदी प्रभारियों को शासन द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुरूप खरीदी करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्रों में धान के उचित रख-रखाव और पर्याप्त बारदानों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

विदित हो कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है कि धान खरीदी में कोई परेशानी न हो। साथ ही साथ ही जिले में अवैध धान की आवक को रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय है।

जल संचय में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला हुआ सम्मानित

25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि की गई प्रदान, पूर्वी क्षेत्र श्रेणी-3 में 6वीं रैंक हासिल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित छठवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार एवं जल संचय जनभागीदारी पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू व मंत्री जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार श्री सी. आर. पाटिल के करकमलों से जल शक्ति जन भागीदारी अभियान 1.0 के अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। उक्त पुरस्कार कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा ग्रहण किया गया। जल शक्ति जन भागीदारी अभियान 1.0 जल संचय संरचना निर्माण तथा उनका डाटा बेस तैयार करने हेतु एक सफल अभियान है, जिसके अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले ने पूर्वी क्षेत्र की श्रेणी-3 में 6वां रैंक हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि जिले में जल संरचनाओं का निर्माण के लिए यह उपलब्धि मिली है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में सफलता प्राप्त की गई है।

घर के सामने खड़ी बाइक को अज्ञात चोरों ने किया पार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रामपुर गांव में घर के सामने खड़ी बाइक को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया है। बिश्रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रामपुर निवासी रमेश सिंह पिता कंवल साय गोंड ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि सोमवार के शाम में वह अपनी बाइक हीरो स्प्लेंडर क्रमांक सीजी 29 एसी 7015 को अपने घर के बरामदे में खड़ा किया था।

दूसरे दिन जब सोकर उठा तो उसकी बाइक मौके पर नहीं थी। काफी खोजबीन उपरांत बाइक नहीं मिलने पर मामले की सूचना थाना में दी गई। प्रार्थी रमेश सिंह की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303 (2) के तहत जुर्म दर्ज कर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

सोलर पैनल लगाकर उपभोक्ता बन रहे ऊर्जा दाता

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। सौर ऊर्जा से न केवल बिजली बिल में राहत मिल रही है बल्कि भविष्य की ऊ ज ा आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में इस योजना के प्रति आमजन में तेजी से रूचि बढ़ रही है और लोग अपने घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर ऊर्जा दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। जिले के विकासखण्ड राजपुर के ग्राम चरगड़ निवासी श्री भुखनारायण सिंह ने अपने घर के छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित किया है।

सोलर पैनल लगवाने में केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले प्रतिमाह बिजली बिल काफी अधिक आता था, परन्तु सोलर पैनल लगने से अब उन्हें अधिक बिजली बिल की चिन्ता से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त उत्पन्न बिजली ग्रिड में जमा होगी, जिसका उपयोग जरूरत पड़ने पर किया जा सकेगा।

श्री भुखनारायण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत की उपयोगी एवं लाभकारी है। उन्होंने बताया कि अब छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने पर 15 से 30 हजार रूपए तक का अतिरिक्त अनुदान देने की घोषणा की है, जिससे उपभोक्ताओं को अब दोहरा लाभ मिलेगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेकर बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दें।

योजना का लाभ लेने कैसे करे आवेदन

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट पीएमसूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट ईन या पीएम सूर्यघर मोबाइल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा। निर्धारित अनुबंध हस्ताक्षरित होने के पश्चात वेंडर द्वारा छत पर प्लांट की स्थापना एवं डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर स्थापित किया जाता है। स्थापित प्लांट के सत्यापन पश्चात शासन द्वारा सब्सिडी ऑनलाईन जारी कर दी जाती है। इस दौरान यदि उपभोक्ता इच्छुक हो तो शेष राशि का प्रकरण 7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण हेतु बैंकों को जनसमर्थन पोर्टल द्वारा ऑनलाईन भेजा जाता है।

अविभाजित सरगुजा में इतिहास लौट रहा, जिसका केंद्र है 79 साल का बसंत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अविभाजित सरगुजा एक बार फिर इतिहास की उस कड़ी को महसूस करने जा रहा है, जिसने न केवल एक मासूम बच्चे की जिंदगी बदली थी बल्कि पूरे पंडो समाज के दिलों में राष्ट्र के प्रति सम्मान की ज्योति प्रज्वलित की थी। साल था 1952 का जब आजादी के बाद का भारत खुद को नई पहचान दे रहा था, और उसी दौर में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद सरगुजा आए थे। उनके उस आगमन की स्मृति आज भी ग्राम पंचायत पंडोनगर की धूल भरी पगडंडियों, बुजुर्गों की आंखों और एक इंसान के नाम में रची-बसी है जो बसंत पंडो है। ज्ञात हो कि सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत पंडोनगर की एक सुबह और प्रथम राष्ट्रपति का दौरा कार्यक्रम था। गांव में हलचल, कच्चे घरों की बाड़ियों से झांकते बच्चे और महिलाओं की उत्सुक निगाहें थीं। भीड़ के बीच एक छह साल का लड़का बेतहाशा दौड़ता हुआ प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के पास जा पहुंचा। सुरक्षा में खड़े सिपाही घबरा गए, लेकिन तभी डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मुस्कुराते हुए उस

बच्चे को अपनी गोद में उठा लिया।उस पल लोगों में खामोश हो गई और इतिहास ने उस बच्चे को गोलू से बसंत बना दिया था। प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि यह बच्चा वसंत ऋतु की तरह प्रसन्नता और ऊर्जा से भरा है, इसका नाम बसंत होगा। 79 वर्षीय बसंत पंडो कहते हैं कि तब से मेरा हर दिन उन्हीं की मुस्कान के साथ शुरू होता है और उसी गोद की गर्माहट आज भी महसूस होती है। 73 साल बाद देश की वर्तमान राष्ट्रपति और भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सरगुजा आ रही हैं। पूरा पंडो समाज उत्साह से भरा है, लेकिन सबसे ज्यादा भावनात्मक हैं 79 वर्षीय बसंत पंडो, जो मानो अपने जीवन के दूसरे ऐतिहासिक क्षण की प्रतीक्षा कर रहे हों। बसंत पंडो ने बताया कि अगर राष्ट्रपति जी से मिलने का सौभाग्य मिला, तो मैं डॉ. राजेंद्र प्रसाद की दी हुई वह याद और पंडो समाज के संघर्ष दोनों उनके सामने रखूंगा। यह मेरे जीवन का दूसरा सबसे बड़ा दिन होगा। ज्ञात हो कि सूरजपुर जिले का ग्राम पंचायत पंडोनगर वह स्थान है जहां वर्ष 1952 में प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने रात्रि विश्राम किया था, आज भी राष्ट्रपति भवन के नाम से जाना जाता है। आज भी उस स्थान की दीवारें मानो कहती हैं कि यहां कभी देश का पहला राष्ट्रपति ठहरा था। पंडो समाज लंबे समय से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भूमि अधिकार और सामाजिक उपेक्षा जैसे मुद्दों से जूझ रहा है। समुदाय को विश्वास है कि वयोवृद्ध बसंत पंडो की राष्ट्रपति से मुलाकात सिर्फ एक स्मृति नहीं रहेगी, यह प्रशासन को जगाने वाली आवाज बनेगी। अगर राष्ट्रपति जी के सामने पण्डो समाज के मुद्दे रखे जाएंगे, तो पंडो समाज के लिए नई नीतियां, नए अवसर और वास्तविक विकास की राह खुल सकती है।

भाजपा अजा मोर्चा की संभाग स्तरीय बैठक हुई संपन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा मोड़। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की संभाग स्तरीय बैठक खोपा में प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक कुमार सोनवानी के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में सरगुजा संभाग के प्रत्येक जिले से लगभग 15-15 पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि संभाग में अनुसूचित जाति वर्ग की आबादी 8.7 प्रतिशत है और 743 गांव में उनकी उल्लेखनीय बाहुलयता है। बावजूद इसके 14 विधानसभा और तीन लोकसभा क्षेत्र में एक भी अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित सीट नहीं है साथ ही आयोग निगम मंडल में समाज को प्रतिनिधित्व न मिलने से मोर्चा कार्यकर्ताओं ने असंतोष भी व्यक्त किया। मुख्य वक्ता अशोक कुमार सोनवानी ने आर्थिक शैक्षणिक व राजनीतिक उन्नति पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए कहा कि अजा मोर्चा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना होगा

बैठक में प्रस्ताव पारित कर उन्हें सर्वसम्मति से अनुसूचित जाति वर्ग के नेतृत्वकर्ता के रूप में चुना गया तथा संगठन से उन्हें अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने की मांग की गई। बैठक को मोबाइल के माध्यम से विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमनलाल कोसेवाड़ा ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरगुजा संभाग के अनुसूचित जाति समाज के समग्र विकास के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं। बैठक में सुखदेव चौधरी गनपत पाटील और भोला रवि एवं भूषण बघेल ने अतिथियों का स्वागत किया। विभिन्न जिलों के प्रमुख पदाधिकारी ने भी अपने विचार रखें। बैठक में रामदेव, पवन, देवेंद्र, सुनीता लहरे, जीव बंधन सोनवानी, धीरन, लालजीवन, मुन्ना रवि, दीपक, मोरे लाल शिवलाल, आनंद लहरे, दिलराज रवि, मनोज, भंवरलाल, शोबरन, जनकधारी, सुदर्शन चौधरी, सुनील सहित अजा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आभार व्यक्त भूषण बघेल ने किया।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना विभाग में पदस्थ प्रोग्राम अधिकारी डियुटी से नदारद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना विभाग में पदस्थ प्रोग्राम अधिकारी नीलम तिर्की काफी दिनों से बिना किसी अधिकारी को बताए डियुटी से नदारद है।जबकि मनरेगा विभाग ग्रामीणों को रोजगार देने शासन स्तर की महत्वपूर्ण विभाग है। बिना प्रोग्राम अधिकारी के मोजुदगी के मनरेगा विभाग से भुगतान कैसे किया जा रहा है ये बड़ा सवाल है। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार विभाग पूरे 84 ग्राम पंचायत के मनरेगा गारंटी योजना से किये जा रहे कार्य के देखरेख मस्टर रोल की

समस्त जानकारी को देखने एवं समय से कार्य पूर्ण कराने जिम्मेदारी एवं देखरेख करने मनरेगा विभाग के प्रोग्राम अधिकारी का ही है। पत्थलगांव के इतने बड़े विकासखंड जहाँ 84 पंचायत का भारी भरकम पंचायत मौजूद हो और वहां के मनरेगा विभाग की प्रोग्राम अधिकारी ही कई दिनों से बिना किसी को बताए अपने डियुटी से नदारद होना प्रशासन के कसावट पे सवाल खड़ा करता है।जैसा कि आप जानते है की पत्थलगांव मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का गृह जिला है और उस जिले में ही प्रोग्राम अधिकारि का बिना किसी अपने उच्च अधिकारी को जानकारी दिए हुए अपने डियुटी से नदारद रहना पूरे व्यवस्था पे प्रश्नचिन्ह लगाता है। क्या इस तरह से डियुटी से नदारद रहने पे जिला प्रशासन कोई कार्यवाही करता है। या नही ये बड़ा सवाल है। पत्थलगांव जनपद पंचायत के सीईओ के के श्रीवास से मनरेगा विभाग के प्रोग्राम अधिकारी नीलम तिर्की के लगातार डियुटी से नदारद रहने साथ ही उनके डिजिटल साइन का उपयोग करते के सवाल पर उन्होंने मनरेगा विभाग के कर्मचारियों से बुलाकर जानकारी चाही उन्होंने बताया कि मनरेगा विभाग के उपस्थिति पंजी में प्रोग्राम अधिकारी नीलम तिर्की का 17 नवम्बर से हस्ताक्षर नही है।मेरे द्वारा 17, 18, 19 नवम्बर के हस्ताक्षर पंजी में मार्क किया गया है।मनरेगा विभाग के कर्मचारियों से प्रोग्राम अधिकारी नीलम तिर्की के द्वारा किसी तरह के आवेदन देने की बात पुछा गया जिसपर मनरेगा विभाग के कर्मचारियों ने किसी तरह के कोई छुट्टी का आवेदन प्रोग्राम अधिकारी के द्वारा नही देने की बात कहि है। मेरे द्वारा मनरेगा विभाग के प्रोग्राम अधिकारी नीलम तिर्की के डियुटी से बिना बताए नदारद रहने पर नोटिस जारी की गई है। जब पत्थलगांव मनरेगा विभाग के प्रोग्राम अधिकारी नीलम तिर्की के डियुटी से नदारत रहने पे जिला सीईओ अभिषेक कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस मामले में मुझे किसी तरह की कोई जानकारी नही है।

कुलपति ने निर्णायक मंडल में शामिल होकर की लोक कलाओं की समीक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राज्य शासन के निदेर्शानुसार सरगुजा संभाग में जनजातीय गौरव दिवस 2025 के उपलक्ष्य में शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव 2025 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।कार्यक्रम में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र लाकपाले निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में शामिल हुए। कुलपति प्रो. लाकपाले ने आदिवासी लोक कला की विभिन्न विधाओं, पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, वाद्य प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का निरीक्षण और मूल्यांकन किया।

उन्होंने प्रतिभागियों की कला, मेहनत और सांस्कृतिक लगन की सराहना करते हुए कहा कि जनजातीय परंपराएं प्रदेश की असली धरोहर हैं, जिनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, वनवासी कल्याण आश्रम के प्रतिनिधि जिला प्रशासन के अधिकारीगण की उपस्थिति में गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ कार्यक्रम में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विविधता को जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। शहीद वीर नारायण सिंह के बलिदान और जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक विरासत को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

पत्थलगांव सहकारी समिति में धान खरीदी कार्य का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में आज विधिवत तराजू की पूजा-अर्चना के साथ धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया। पूजा उपरांत किसानों द्वारा धान तुलाई की प्रक्रिया शुरू की गई, वहीं समिति के अधिकारियों ने पूरे केंद्र का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कार्यक्रम के दौरान पत्थलगांव शहर मंडल भाजपा अध्यक्ष अंकित बंसल, अवधेश गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल मित्तल, प्रदीप गुप्ता, अजय बंसल, रूप सिंह राठिया, विजय त्रिपाठी,सुनील गर्ग,नरेश यादव, जीतू,रेवा राम धीवर, भुनेश्वरी बेहरा, गुड़िया यादव , सलमी निकुंज सहित बड़ी संख्या में किसान, समिति के सदस्य और प्रबंधक उपस्थित रहे।धान खरीदी प्रारंभ होने से किसानों में उत्साह का माहौल देखा गया।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अंकित बंसल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के सुशासन में धान खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस पर छात्रों ने सीखी सम्मान और संवेदनशीलता की नई भाषा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। के. आर. टेक्निकल कॉलेज में आज अन्तरराष्ट्रीय पुरुष दिवस के अवसर पर लैंगिक समानता में पुरुषों की भूमिकाह्व विषयक एक विचार संवाद आधारित प्रेरणादायी टॉक शो का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में समानता, सम्मान, सहयोग तथा सकारात्मक आचरण की भावना को विकसित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की निदेशक डॉ. रीनू जैन ने की।उन्होंने पुरुष-महिला साझेदारी से शिक्षा और समाज का विकासः एक मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोणह्व विषय पर सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए

कहा कि समाज तभी उन्नति करता है जब पुरुष और महिलाएँ प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सहयोग और साझेदारी की भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने बताया कि शिक्षा संस्थानों में सम्मान, सहभागिता और समान अवसर का वातावरण ही भविष्य में एक संतुलित समाज का निर्माण करता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा ने समानता पर आधारित नेतृत्वः युवा पुरुषों को सकारात्मक दिशा देने की भूमिका विषय पर उत्साहपूर्ण और संवादात्मक शैली में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का वास्तविक अर्थ आदेश देना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण बनाना है जिसमें सभी लोग सुरक्षित, सम्मानित और आत्मविश्वास से पूर्ण महसूस करें। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर व्यवहार, भाषा और दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संदेश दिया। टॉक शो में प्राध्यापकगण द्वारा भी विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए गए।प्रथम वक्ता घनश्याम मैत्री ने वास्तविक पुरुष समानता का समर्थन करते हैंः बदलती पुरुष छवि की नई पहचान विषय पर बोलते हुए बताया कि आज के समय में पुरुषत्व की परिभाषा शक्ति, अधिकार या कठोरता से नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, सहयोग और सम्मान से तय होती है।द्वितीय वक्ता विनितेश गुप्ता ने लड़के नहीं रोते पुरुषों की भावनात्मक सेहत और समानताह्व विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि समाज में पुरुषों की भावनाओं को दबाने की परंपरा ने मानसिक दबाव और असंतुलन को बढ़ाया है।

बिजली हॉफ एवं बेरोजगारी भत्ता पुन प्रारंभ करने की किया मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कांग्रेस की योजना को पुनः शुरूआत को लेकर युवा कांग्रेस के आरटीआई विभाग के चेयरमैन हिमांशु जायसवाल ने कहा कि आखिर राजनीतिक द्वेष के चलते पूर्व के कांग्रेस सरकार के द्वारा बिजली बिल हॉफ योजना को लागू किया गया था जिससे छत्तीसगढ़ के सरप्लस बिजली का फायदा स्थानीय जनता को मिले जिसके लिए400 यूनिट तक हॉफ योजना लागू किया था पर जब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी तो जनहित की इस योजना को बंद कर दिया था।कांग्रेस ने हर मोर्चे पर विरोध किया। जिसके बाद सरकार बैकफुट पर आकर इस

योजना को पुनः चालू किया पर सिर्फ 200 यूनिट तक पर हमारी मांग है, जनता को पूरा 400 यूनिट तक हॉफ योजना का लाभ देवे साथ ही हिमांशु ने कहा बेरोजगारी भत्ता जो छात्रों को 2500 प्रति माह दिया जा रहा है जिससे छात्रों को आर्थिक मदद मिलती थी। इस योजना को भी पुनः प्रारंभ करने के मांग को लेकर मुख्यमंत्री निवास प्रेषित किया है जल्द ही इन मांगो को पूरा करने का निवेदन किया।

धान के बढ़े हुए दाम और योजनाओं से किसान सेद्रु राम संतुष्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार प्रदेशभर में धान खरीदी तिहार मनाया जा रहा है, वहीं अब सरगुजा जिले के उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी अब जोर पकड़ रही है। अम्बिकापुर विकासखण्ड के नमनाकला उपार्जन केंद्र में ग्राम पंचायत किशुननगर के किसान सेदु राम ने अपना धान बेचकर संतोष व्यक्त किया और बताया कि इस वर्ष व्यवस्था पहले से अधिक सुचारु और सुविधाजनक है।किसान सेदु राम ने बताया कि उनके पास 4 एकड़ जमीन है, जिसमें 3 एकड़ में धान की बोवाई करते हैं। उन्होंने इस सीजन कुल 36 क्विंटल 60

किलो धान विक्रय हेतु पंजीकृत किया है। उन्होंने बताया कि मैंने 15 नवंबर को टोकन कटाया था और आज पहले टोकन में 16 क्विंटल धान बेचने नमनाकला धान उपार्जन केन्द्र आया हूं। उपार्जन केंद्र में तुलाई, नमी परीक्षण और अन्य प्रक्रियाएं बिना किसी परेशानी के पूरी हुईं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान का मूल्य दिए जाने से किसानों को वास्तविक लाभ मिल रहा है, जिससे खेती आर्थिक रूप से अधिक स्थिर हुई है।

योजनाओं से ग्रामीण किसानों को आर्थिक संबल

सेदु राम ने यह भी साझा किया कि उन्हें किसान सम्मान निधि के तहत हर वर्ष 6000 रुपए प्राप्त होते हैं। जिससे बीज, खाद और बुवाई की तैयारियों में बड़ी मदद करती है।

तीन दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड तृतीय सोपान शिविर का समापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। भारत स्काउट एवं गाइड जिला जोन स्तरीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का तीन दिवसीय आयोजन सोनपुर स.उ. में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला कमिश्नर स्काउट अजय मिश्रा के आदेशानुसार तथा जिला प्रशिक्षण आयुक्त गोवर्धन सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। समापन समारोह में भटगांव मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण बच्चों में अनुशासन, चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता, बौद्धिक विकास और शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। छात्र-छात्राएं जिस भी कार्य को करें, पूर्ण समर्पण और तत्परता के साथ करें, ताकि जीवन में सार्थक परिणाम प्राप्त हो।

वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह मार्को ने दी शुभकामनाएं

कार्यक्रम में मंडल के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह मार्को ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इसके बाद मुख्य अतिथियों ने शिविर में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से संवाद कर उनके कार्य और प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम में शासकीय हाई स्कूल के प्राचार्य सत्यम बाला, सरपंच छोटेलाल पैकरा, जयप्रकाश यादव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बच्चों के गिरते परिणाम पर चिंता जताते हुए यात्रा फाउंडेशन ने उठाई शिक्षकों की योग्यता जाँच की माँग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। सामान्य पात्रता परीक्षा एलिजिबिलिटी टेस्ट को शिक्षकों के लिए भी अनिवार्य किए जाने की माँग को लेकर यात्रा फाउंडेशन ने ज़िला शिक्षा विभाग के सह-संचालक रामपथ यादव को ज्ञापन सौंपा। फाउंडेशन का कहना है कि सरकार सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए लगभग सभी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध करा रही है, इसके बावजूद संतोषजनक परिणाम सामने नहीं आ रहे।ऐसे में बच्चों की शैक्षणिक कमजोरी के लिए कहीं न कहीं शिक्षकों की ज़िम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।यात्रा फाउंडेशन ने प्रस्ताव दिया कि वे सरकार के साथ

मिलकर शहर के सभी प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के माध्यम से बेहतर तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना चाहते हैं। साथ ही कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी करवाने की योजना भी है, ताकि बच्चों का भविष्य बेहतर हो सके और शहर तथा सरकार की छवि और मजबूत बने। फाउंडेशन का कहना है कि इसके लिए सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि बच्चों का वर्तमान शिक्षा स्तर क्या है और किस विषय में कितनी अतिरिक्त मेहनत की जरूरत है। इन सभी मुद्दों को लेकर फाउंडेशन के प्रतिनिधि ओमप्रकाश ठाकुर, आशीष गुप्ता, अंकित गुप्ता और आशीष ठाकुर ने सह-संचालक रामपथ यादव को ज्ञापन सौंपकर स्थिति से अवगत कराया।

किसानों का एक-एक दाना सुरक्षित, धान खरीदी शुरू, व्यवस्था टाइट- शैलेष गुप्ता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी का विधिवत शुभारम्भ भवरमाल धान खरीदी समिति में उत्साह और पारंपरिक विधि-विधान के साथ किया गया। शुभ मुहूर्त में तराजू,बाट और खरीदी उपकरणों की पूजा-अर्चना कर समृद्धि और सुचारु खरीदी प्रक्रिया की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक प्रतिनिधि शैलेष कुमार गुप्ता, मंडल अध्यक्ष सीताराम गुप्ता, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बी.डी. लाल गुप्ता, ग्राम सरपंच अमृत सिंह सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ किसान मौजूद रहे।सभी ने संयुक्त रूप से खरीदी कार्य का शुभारम्भ

किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शैलेष कुमार गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसानों का एक-एक दाना धान खरीदा जाएगा। किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएँ मजबूत की गई हैं।उन्होंने किसानों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के बिचौलियों या दलालों से दूर रहें, क्योंकि शासन ने खरीदी से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बना दी है। इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी श्रीमती दिवाकर, समिति प्रबंधक और कृषि विस्तार अधिकारी पैकरा ने किसानों को आवश्यक जानकारियाँ देते हुए कहा कि सभी किसान साफ-सुथरा और पूरी तरह सूखा धान लेकर ही केंद्र आएँ। केंद्र में तेज, व्यवस्थित और आसान खरीदी सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। शुभारम्भ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे, जिनमें उपसरपंच संतोष यादव, संजीत गुप्ता, चुन्नू लालमोहन ठाकुर, उत्तम लाल गुप्ता, राजाराम कुशवाहा सहित अनेक किसान शामिल थे।किसानों ने कहा कि समय पर खरीदी शुरू होने से उन्हें राहत मिली है और ऑनलाइन सिस्टम के चलते बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद भी बढ़ी है।

भैसामुंडा महानदी पुल में मरम्मत के नाम पर बड़ा खेल!

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र का बेहद महत्वपूर्ण भैसामुंडा महानदी पुल इन दिनों मरम्मत से ज्यादा भ्रष्टाचार की भेट चढ़ने को लेकर चर्चा में है।पुल की मरम्मत का कार्य जिस तरह किया जा रहा है, उसे देखकर स्थानीय ग्रामीणों का धैर्य टूट रहा है।लोगों का आरोप है कि बिना किसी मानक, घटिया सामग्री और ऊपरी-ऊपरी मरम्मत के माध्यम से इस महत्वपूर्ण पुल को सिर्फ खानापूर्ति में बदला जा रहा है।मरम्मत शुरू होने के 6-7 दिन बाद भी न पानी डाला गया, न कोई तकनीकी पर्यवेक्षण हुआ और न ही यातायात व्यवस्था सुधारी गई। परिणाम हर दिन घंटों जाम, परेशानी और बढ़ता जनाक्रोश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण पर जीरो टॉलरेंस की नीति घोषित की थी, लेकिन प्रतापपुर में उनकी मंशा को लगातार चोट पहुंचाई जा रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से सरकारी धन का व्यवस्थित दोहन किया जा रहा है। जब मुख्यमंत्री तक ने साफ निर्देश दिए हैं, तो अधिकारी किसके इशारे पर नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं? अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि खबर के बाद प्रशासन कितनी गंभीरता से मामले को हाथ में लेता है।ग्रामीणों ने पुल की हालत और मरम्मत को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि मरम्मत के नाम पर साफ-साफ भ्रष्टाचार नजर आ रहा है।घटिया सामग्री डालकर पुल की उम्र कम की जा रही है। यह बनारस मार्ग का सबसे व्यस्त पुल है, किसी बड़े हादसे का खतरा मंडरा रहा है।ह्व ऐसा काम तुरंत रोका जाए और नए सिरे से मजबूती के साथ करवाया जाए।ह्व उनका कहना है कि जिस पुल पर हजारों लोग रोजाना आवागमन करते हैं, उसे इस तरह घटिया मरम्मत के भरोसे छोड़ना जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। पुल की मरम्मत को देखकर साफ महसूस होता है कि मानो यह कोई तकनीकी काम नहीं, बल्कि पैसे बनाने का मौका समझ लिया गया है। न नियमों का पालन, न निगरानी, न गुणवत्ता।बस मरम्मत के नाम पर धूल झाड़ो और आगे बढ़ो की मानसिकता दिखाई दे रही है। ऐसी लापरवाही न सिर्फ सरकारी धन की बबार्दी है, बल्कि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं की सीधी जिम्मेदारी भी इन्हीं पर आएगी।यह पुल बनारस रोड की जीवनरेखा है। लगातार बढ़ते ट्रैफिक और खराब मरम्मत इसकी स्थिति और खतरनाक बना रहे हैं। अब सबकी निगाहें इस पर हैं कि क्या प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा? क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी? क्या मरम्मत नए सिरे से उच्च गुणवत्ता के साथ होगी? या फिर यह मामला भी कई अन्य मामलों की तरह फाइलों में धूल फांकता रह जाएगा।

सांस्कृतिक रंगों और आतिशबाजी के बीच स्पोर्ट्स क्लब की ट्रॉफी पर कब्जा

रामानुजगंज।छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना रजत जयंती के अवसर पर आयोजित काका लरंग साय एवं स्वर्गीय राधेश्याम जायसवाल स्मृति फुटबॉल टूनार्मेंट का भव्य समापन 17 नवंबर को हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रामसेवक पैकरा, अध्यक्ष वन विकास निगम छत्तीसगढ़ शासन;ओमप्रकाश जायसवाल,जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी; रमन अग्रवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद रामानुजगंज; कन्हैया लाल अग्रवाल और अशोक गुप्ता उपस्थित रहे। समारोह में आकर्षक आतिशबाजी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी यादगार बना दिया। झारखंड से भी बड़ी संख्या में खेल प्रेमी पहुंचे और फाइनल को देखने हजारों दर्शक मैदान में एकत्र हुए।

सम्पादकीय

शेख हसीना को फांसी की सजा पर उठे गंभीर सवाल

जिसका डर था वही हुआ, बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई है। वह पिछले साल उग्र आंदोलन के बाद ढाका छोड़कर भारत आई थीं और 15 महीनों से दिल्ली के एक सेफ हाउस में रह रही हैं। बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के फैसले के बाद भारत से शेख हसीना को सौंपने का आग्रह किया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच मौजूदा प्रत्यर्पण संधि के अनुसार, यह भारत का अनिवार्य कर्तव्य है।' उसने यह भी कहा कि शेख हसीना को शरण देना अमित्रतापूर्ण और न्याय के प्रति अवमानना होगा। यह बात सही है कि भारत-बंग्लादेश के बीच 2013 में एक्स्ट्रडिशन ट्रीटी साइन हुई थी, जिसमें दोनों देशों के बीच अपराधियों के एक्सचेंज की शर्ते हैं, लेकिन बांग्लादेश का विदेश मंत्रालय शायद इस समझौते की शर्तों को भूल गया है। इसके ट्रीटी के आर्टिकल 8 के तहत अगर आरोपी की जान को खतरा हो, उसे निष्पक्ष ट्रायल नहीं मिला हो या ट्रिब्यूनल का उद्देश्य न्याय नहीं, बल्कि राजनीतिक हो तो भारत प्रत्यर्पण से मना कर सकता है। कौन नहीं जानता कि बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हरीना के खिलाफ किस तरह मुकदमा चलाया गया। किसी भी मुकदमे का पहला वाक्य यही होता है कि चाहे सौ गुनाहगार छूट जाएं, किसी एक बेगुनाह को सजा नहीं होनी चाहिए। कौन नहीं जानता कि शेख हसीना पर चलाए गए केस में उनका पक्ष ही नहीं है। सबसे पहले तो यह देखा जाता है कि जिस पर आरोप लगाया गया है, उसने अपने बचाव में क्या कहा, लेकिन पूरे मुकदमे और सुनवाई में शेख हसीना पक्ष है ही नहीं। हसीना को अपना पक्ष रखने के लिए वकील तक नहीं मिला। जब से इस मामले की सुनवाई शुरू हुई है, अनेक रिपोर्ट सामने आ चुकी हैं कि केस की सुनवाई करने वाले जज सरकारी दबाव में थे। इस पूरे केस की जांच पर अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन चिंता जता चुके हैं। खुद हसीना लगातार राजनीतिक बदले का आरोप लगा रही हैं। महज दो दिन पूर्व ही कार्रवाई को राजनीतिक बदला बताते हुए उन्होंने कहा था कि मेरे खिलाफ चल रहा मुकदमा झूठा तमाशा है। यह पूरी तरह राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। मैं ट्रायल में न तो अपनी सफाई पेश कर सकी और न ही अपने वकील नियुक्त कर सकी। भारत-बांग्लादेश समझौते के आर्टिकल 6 के मुताबिक अगर अपराध राजनीतिक माना जाए तो भारत प्रत्यर्पण से इनकार कर सकता है। वैसे भी यह आदेश बांग्लादेश की सर्वोच्च अदालत का नहीं है। शेख हसीना ट्रिब्यूनल के फैसले को बांग्लादेश की ऊपरी अदालत में चुनौती दे सकती हैं। वे सबूतों की दोबारा जांच और अनफेयर ट्रायल का हवाला देकर रिव्यू करने की मांग कर सकती हैं। हसीना निष्पक्ष ट्रायल न होने को लेकर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों या कानूनी संस्थाओं में शिकायत कर सकती हैं। इससे पहले ही बांग्लादेश का भारत को पत्र लिखकर हसीना को सौंपने का आग्रह करने का कोई औचित्य नजर नहीं आता। भारत ने इस फैसले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन साफ है कि कार्यवाही होगी जो न्यायसंगत हो।

बम विस्फोट

योगेंद्र माथुर

सुबह फरीदाबाद में डॉक्टर की गिरफ्तारी और विस्फोटक बरामदगी के कुछ घंटों में ही देश की राजधानी दिल्ली में आत्मघाती विस्फोट कर आतंकी आखिर क्या संदेश देना चाहते थे? क्या देश में कुछ बड़ा करने का षड्यंत्र रचा जा रहा था या अन्य कहीं रखे विस्फोटक को पकड़े जाने के डर से दूसरी जगह स्थानांतरित करने की हड़बड़ी में बीच में ही यह विस्फोट हो गया अथवा अपने साथियों के पकड़े जाने के बाद अन्य आतंकी देश की राजधानी में विस्फोट कर सरकार को देश में अपनी मौजूदगी व सक्रियता का संदेश देना चाहते थे? एक यह भी वजह हो सकती है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद वहां लौटा अमन चैन आतंकियों को रास नहीं आ रहा।

भारत के अगले कदम का इंतजार

देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को आतंकियों ने एक बार फिर कायराना कृत्य का परिचय देते हुए कार में आत्मघाती विस्फोट कर कई बेगुनाह लोगों की जान ले ली। दिल्ली में एक दशक से अधिक समय बाद हुई इस आतंकी घटना से समूचा देश स्तब्ध भी है और खासा गुस्से में भी। लगभग समूचा देश यह बात तय मानकर कि इस घटना में पाकिस्तान और वहां बैठे दहशतगर्दों का ही हाथ है, सरकार के जवाबी कदम की प्रतीक्षा में है।

सोमवार की सुबह ही दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद से खबर मिली थी कि वहां एक डॉक्टर को संदिग्ध आतंकी कनेक्शन में हिरासत में लिया गया है और उसके पास से करीब 3 हजार किलो विस्फोटक असला बरामद किया गया है। साथ ही उसकी निशानदेही व सम्बन्धों के आधार पर देश के विभिन्न क्षेत्रों से बाद में और कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक असला बरामद होना और आतंकियों का पकड़ा जाना सभी के लिए बड़ी खबर थी। लोग एक प्रकार से राहत की सांस ले रहे थे कि शाम को दिन ढलते-ढलते यह बुरी खबर देश को मिल गई कि दिल्ली के लाल किले के समीप एक कार में विस्फोट हो गया है और उस कार सहित वहां रखी अन्य कुछ कारों में खासे नुकसान के साथ आग लगने से बड़ी संख्या में वहां मौजूद लोग हताहत हुए हैं।

सुबह फरीदाबाद में डॉक्टर की गिरफ्तारी और विस्फोटक बरामदगी के कुछ घंटों में ही देश की राजधानी दिल्ली में आत्मघाती विस्फोट कर आतंकी आखिर क्या संदेश देना चाहते थे? क्या देश में कुछ बड़ा करने का षड्यंत्र रचा जा रहा था और पकड़े जाने पर तुरत-फुरत में विस्फोट की घटना को अंजाम दिया गया या अन्य कहीं रखे विस्फोटक को पकड़े जाने के डर से दूसरी जगह स्थानांतरित करने की हड़बड़ी में बीच में ही यह विस्फोट हो गया अथवा अपने कुछ साथियों के पकड़े जाने के बाद अन्य आतंकी देश की राजधानी के व्यस्ततम व संवेदनशील क्षेत्र में विस्फोट कर सरकार को देश में अपनी मौजूदगी व सक्रियता का संदेश देना चाहते थे? एक यह भी वजह हो सकती है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद वहां लौटा अमन चैन आतंकियों को रास नहीं आ रहा हो और देश की राजधानी में आतंकी घटना कर समूची दुनिया का ध्यान अपनी मौजूदगी व सक्रियता के साथ कश्मीर मुद्दे की तरफ पुनः खींचना चाहते हों। ऐसा इसलिए लगता है कि विस्फोट की घटना से जुड़े लोगों के तार कश्मीर से भी जुड़ रहे हैं।

फिलहाल सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहकर इसे लेकर मंथन कर रही है और सुरक्षा एजेंसियां घटना के तार जोड़कर पूरे षड्यंत्र की जांच करने में तेजी से जुट गई हैं। सरकार ने घटना की जांच का जिम्मा एनआईए को सौंप दिया है और घटना से जुड़े आतंकियों के सीमा पार पड़ोसी देश से जुड़े होने के सबूत खोजे जा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों को आरंभिक जांच में घटना से जुड़े आतंकियों के तार पाकिस्तान सहित तुर्किये तक से जुड़ने के संकेत मिलने लगे हैं। आने वाले दिनों में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी और जैसा कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व रक्षामंत्री तक ने कहा है, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। विगत अप्रैल में

कश्मीर में हुई बड़ी आतंकी घटना के बाद भी देश में खासा आक्रोश देखा गया था। निसंदेह सरकार भी गुस्से में थी। जिसका परिणाम यह हुआ था कि घटना के चंद दिनों बाद ही सरकार की हरी झंडी मिलने पर सेना ने पड़ोसी आतंकी देश पाकिस्तान को सबक सिखाने और वहां सरकार व सेना के संरक्षण में पल-बढ़ रहे जेहादियों को जहन्नुम पहुंचाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर लांच किया था। उस समय हमारा लक्ष्य एक पूर्ण युद्ध नहीं बल्कि केवल वहां बैठे आतंक के आकाओं व उनके अड्डों को समाप्त करना था। हमने हमारे लक्ष्य को बड़ी तेजी से प्राप्त भी कर लिया था। हालांकि बाद में वहां की सेना द्वारा ड्रोन हमले के द्वारा प्रतिक्रिया देने का दुस्साहस करने पर हमारी सेना ने उनके हवाई ठिकानों को भी नष्ट कर उसे खासा नुकसान पहुंचाया था।

भारतीय सेना की जोरदार कार्रवाई से शीघ्र ही हौसला पस्त व घबराई वहां की सेना के डीजीएमओ द्वारा भारत के समक्ष घुटने टेकने और कार्रवाई रोकने की प्रार्थना पर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित तो कर दिया, लेकिन साथ ही यह सख्त चेतावनी भी दे दी थी कि भविष्य में भारत में होने वाली किसी भी आतंकी घटना को भारत के विरुद्ध युद्ध माना जाएगा और इससे भी कड़ा व मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर स्थगित होने के बाद हाल ही के कुछ महीनों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व सेना प्रमुख मुनीर द्वारा दुनिया के कुछ बड़े देशों की यात्रा कर भारत से भविष्य के लिए सुरक्षा को लेकर कवायद की गई। इन देशों के साथ आधुनिक हथियारों की खरीद के साथ-साथ सुरक्षा समझौते भी किए गए। इसके लिए पाकिस्तान द्वारा इन देशों को कई प्रकार के अन्य लाभ व प्रलोभन भी दिए गए हैं। वहां की सरकार व सेना यह मानकर चलने लगी है कि भविष्य में भारत के साथ उसके किसी भी प्रकार के संघर्ष में ये देश उसकी सहायता व सहयोग करेंगे और वह भारत को मात देने में सक्षम होगा। वहां की सरकार में बैठे कुछ लोग व सेना प्रमुख मुनीर द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को भूल कर या नजर अंदाज कर भारत को एक बार फिर परमाणु धमकी दी जाने लगी है। लेकिन पाकिस्तान संभवतः यह भूल गया है कि भारत अब पहले से कहीं अधिक शक्ति सम्पन्न देश है और किसी भी वैश्विक स्थिति या संकट से निपटने में सक्षम है। वह 47, 65, 71 व कारगिल में भारत की सेना की शक्ति देख चुका है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना का शौर्य व साहस उसके सहित समूची दुनिया ने देखा है। फिर भी वह अपनी फ़ितरतों से बाज नहीं आ रहा है।

निःसंदेह भारत सरकार व सेना हर स्थिति और संकट का सामना करने में सक्षम है और पूरी तरह से सतर्क व तैयार भी है। भारत अपने हितों व संप्रभुता का संरक्षण करने में पूर्ण सक्षम है। भारत अब किसी दबाव में आने वाला भी नहीं है। ताजा घटनाक्रम के बाद इस बात की प्रबल संभावना है कि भारत दहशतगर्दों के संरक्षक व पालन-पोषण करने वाले पड़ोसी देश पाकिस्तान के विरुद्ध कड़ी जवाबी कार्रवाई करेगा और पाकिस्तान ने कोई दुस्साहस करने की कोशिश की तो संभवतः पाकिस्तान टुकड़ों में बंट जाए और पाकिस्तान के तौर पर उसकी पहचान नक्शे से मिट जाए, इसमें भी आश्चर्य नहीं होना चाहिए। भारत के लिए कश्मीर का पाक अधिगृहीत हिस्सा लेने का यह महत्वपूर्ण अवसर है और भारत को अब देर नहीं करना चाहिए। हालांकि सब कुछ इतना सरल व आसान भी नहीं है लेकिन आने वाले दिनों में भारत की जवाबी कार्रवाई की प्रतीक्षा पूरी दुनिया को है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विशेष

डॉ. रमेश ठाकुर

बाल अपराध प्रतिबंध पर संयुक्त राष्ट्र की पहल

बाल अपराधों पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य ये संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष-2022 को 18 नवंबर की तारीख को 'विश्व बाल यौन शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा की रोकथाम' दिवस मुकर्रर किया था। दिवस का मकसद बच्चों के यौन शोषण व दुर्व्यवहार को रोकना और प्रभावित बच्चों को कानूनी सहायता प्रदान करवाने के प्रति जागरूक करना था। जिस हिसाब से अपराध बढ़ रहे हैं, उन्हें देखकर लगता है कि ये कृत्य सीधे-सीधे बाल अधिकारों का घोर उल्लंघन है। ये एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या में भी तब्दील हो चुकी है। ये असहनीय कृत्य किशोरों के स्वास्थ्य पर कितना प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं जिसका अंदाजा कोई नहीं लगा सकता है। आज इस खास दिन पर बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत तमाम सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं बकायदा कैंप लगाकर पीड़ित बच्चों और उनके अभिभावकों को कानूनी मदद और अन्य सहायता के लिए जागरूक करती हैं। साथ ही नौनिहालों की रक्षा-सुरक्षा के संबंध में जागरुकता फैलाना और शोषण के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने के लिए भी यह दिन अति-महत्वपूर्ण है। निश्चित रूप से ऐसे दिवस पीड़ितों को यौन शोषण के आघात से उबरने में काफ़ी मददगार साबित होते हैं। एनसीआरबी और 'जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क'(जिपनेट) की हालिया रिपोर्ट ने भी बच्चों से जुड़े अपराधों में बेहताशा वृद्धि बताई है।

एनसीआरबी रिपोर्ट ने ना सिर्फ शासकीय महकमों में खलबली मचाई है, बल्कि जनमानस में भी भय का माहौल उत्पन्न किया है। ऐसे नौनिहाल जो या तो पार्कों में खेलने गए या ट्यूशन पढ़ने, बाद में वापस ही नहीं लौटे। बिहार, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, हरियाणा व दिल्ली में ऐसे राज्य हैं जहां ऐसे मामलों में खासी वृद्धि हुई। बाल अपराध कैसे रूकें, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए, इन्हीं सभी बातों पर मंथन आज किया जाएगा। कई क्षेत्रों में बाल यौन शोषण को छुपाया और कलंकित किया जाता है, जबकि ऐसा कतई नहीं किया जाना चाहिए। इस समस्या से निपटने और चुप्पी व प्रतिरोध की सांस्कृतिक बाधाओं को तोड़ने के लिए, सामुदायिक स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक ज्ञान और प्रभावी रणनीतियों का प्रसार आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र की मैनुअल रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2023-24 में लगभग 190 देशों के बच्चों के साथ जितनी यातनाएं बढ़ी, उतनी इसके पूर्व कभी नहीं रही? इसमें भारत भी शामिल है। दुनिया भर में बच्चों के अधिकारों के साथ खुलेआम उल्लंघन और दुर्व्यवहार होता है। इस तरह के उल्लंघन सभी देशों और सामाजिक स्तरों में व्याप्त हैं।

बच्चों, विशेषकर लड़कियों के साथ जबरन यौन संबंध, शारीरिक शोषण, दुर्व्यवहार व हिंसा के मामले बढ रहे हैं जिसमें ऑनलाइन और डिजीटल अपराध सबसे ज्यादा हैं। बच्चों की गरिमा और हिंसा से मुक्त जीवन जीने के उनके अधिकारों को सशक्त बनाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र ने करीब 90 देशों के साथ 2030 तक एक एजेंडा तय किया, जिसमें यह सुनिश्चित हुआ कि विभिन्न बाल अपराधों को रोकने में अपने कानूनों को धारदार बनाएंगे। बाल अपराध तभी रूक पाएंगे, जब हुकूमती शक्तियां कठोर होंगी। वैसे, कई मुल्कों में बाल अपराध पर फांसी की सजा निर्धारित हैं। दुबई में बाल अपराध न के बराबर हैं। लक्ष्यों और उद्देश्यों की श्रृंखला को कार्यान्वयन करने के लिए सभी पीड़ित देश अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंडे के साथ जुड़े हैं। ये पहल बाल शोषण, दुर्व्यवहार, बाल तस्करी, यातनाएं और बच्चों के खिलाफ सभी प्रकार की हिंसा को समाप्त करने के साथ-साथ बाल विवाह और महिला जननांग विकृति जैसी हानिकारक प्रथाओं को समाप्त करने में मदद करेगी।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अनासक्त हुए बिना करे दूसरों की भलाई

संकलित

दर्शन

यह सोचना भूल है कि हमने संसार का भला किया। इस विचार से दुख उत्पन्न होता है। हम किसी की सहायता करने के बाद सोचते हैं कि वह हमें इसके बदले में धन्यवाद दे, पर वह धन्यवाद नहीं देता, तो हमें दुख होता है। हम जो कुछ भी करें, उसके बदले में किसी चीज की आशा क्यों रखें? बल्कि उल्टे हम उसी के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए, जिसकी हम सहायता करते हैं, उसे साक्षात नारायण मानना चाहिए। मनुष्य की सहायता द्वारा ईश्वर की उपासना करना क्या हमारा परम सौभाग्य नहीं है? यदि हम वास्तव में अनासक्त हैं, तो हमें यह प्रत्याशा जनक कष्ट क्यों होना चाहिए? अनासक्त होने पर तो हम प्रसन्नतापूर्वक संसार में भलाई कर सकते हैं। अनासक्त किए हुए कार्य से कभी भी दुख अथवा अशांति नहीं आएगी। यदि हम यह जान लें कि आसक्ति रहित होकर किस तरह कर्म करना चाहिए, तभी हम दुराग्रह और मतांधता से परे हो सकते हैं। जब तुम दुराग्रह और मतांधता से परे हो जाओगे, तभी अच्छी तरह कार्य कर सकोगे। जो ठंडे मस्तिष्क वाला और शांत है, जो उत्तम ढंग से विचार करके कार्य करता है, जिसके स्नायु सहज ही उत्तेजित नहीं होते तथा जो अत्यंत प्रेम और सहानुभूति संपन्न है, केवल वही व्यक्ति संसार में परोपकार कर सकता है और इस तरह वह अपना भी कल्याण कर सकता है। यह संसार चरित्र गठन की एक विशाल व्यायामशाला है। इसमें हम सभी को अभ्यास रूप में कसरत करनी पड़ती है, जिससे हम आध्यात्मिक बल से अधिकाधिक बलवान बनते रहें।

दूसरों की भलाई करने वालों का स्थान सबसे ऊंचा

संकलित

प्रेरणा

कन्फ्यूशियस चीन के एक दार्शनिक थे। उनका जन्म करीब 551 ईसा वर्ष पूर्व हुआ था। कन्फ्यूशियस इतने विद्वान थे कि उनके पास कई राजा-महाराज भी मिलने पहुंचे थे। एक बार चीन के राजा ने कन्फ्यूशियस से पूछा था कि आप मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बताएं, जिसका स्थान सबसे ऊंचा है। कन्फ्यूशियस ने राजा से कहा कि वह इंसान आप खुद ही हैं, क्योंकि आप हमेशा सत्य जानना चाहते हैं। राजा ने कहा कि आप तो मुझे मुझसे भी अच्छे व्यक्ति के बारे में बताइए। कन्फ्यूशियस ने तुरंत कहा कि आपसे अच्छा व्यक्ति तो मैं ही हूं, क्योंकि मैं भी आपकी तरह ही सत्य को जानना चाहता हूं। राजा बोला कि आपसे भी अच्छा और कौन है? इसके बाद कन्फ्यूशियस ने कहा कि मैं ऐसे एक व्यक्ति को जानता हूं, जो हम दोनों से भी महान है। चलिए, मैं आपको उससे मिलवाता हूं। कन्फ्यूशियस राजा को लेकर एक बूढ़े के पास पहुंचे। वह बूढ़ा व्यक्ति कुआं खोद रहा था। कन्फ्यूशियस ने कहा कि महाराज, ये व्यक्ति सबसे महान है, उसका स्थान हम सबसे बहुत ऊंचा है, क्योंकि ये दूसरों को पानी मिल सके, इसलिए कुआं खोद रहा है। ये दूसरों की भलाई के लिए अपनी सुख-सुविधा का भी त्याग कर देता है। इसका शरीर बूढ़ा हो गया है, लेकिन अभी भी ये दूसरों के लिए सेवा का काम कर रहा है। इसलिए इसका स्थान सबसे ऊंचा है।

अंतर्मन

आज की पाती

बिहार चुनाव में मुद्दे आए काम

हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव में जो एनडीए को प्रचंड बहुमत मिला उस पर सभी के अपने-अपने विचार हो सकते हैं। इसके लिए कोई नीतीश कुमार के कामों को कारण बता रहा है, तो कोई वहां भी महागठबंधन में कमियों को दोषी मान रहा है। लोकतंत्र में हर चुनाव में ऊंट किस करवट मतदाता बिठा दे, इसका अंदाजा लगाया नहीं जा सकता। आम चुनाव में मतदाता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को ध्यान में रखता है। जबकि स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनाव में मूलभूत सुविधाओं और अन्य स्थानीय मुद्दों को। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा को ज्यादा सीटों पर जीत मिलना यह भी साबित कर रहा है कि मतदाता अब डबल इंजन की सरकार को ध्यान में रख रहा है।

- विवेक पाठक, दुर्ग

ट्रेंड

बातचीत का अवसर

निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की। पहली बुलेट ट्रेन परियोजना पर काम कर रही टीम से बातचीत करने का अवसर भी मिला।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नाइंसाफी और जुल्म

सत्ता के गुरूर में जो नाइंसाफी और जुल्म की हदें पार कर देते हैं, वो खुद एक दिन कुदरत के फैसले की गिरफ्त में आकर एक बेहद बुरे अंत की ओर जाते हैं। वो सब देख रहा है। किसी के साथ भी बेइंसाफी पर वो जरूर सुनता है।

- अखिलेश यादव, सपा नेता

गर्व का अनुभव

मुझे यह बताते हुए गर्व और प्रसन्नता हो रही है कि मेरी बेटी निहारिका ने ओलिवा, वेलेंसिया, स्पेन में मेडिटेरेनियन इक्वेस्ट्रियन टूर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उसकी इस कामयाबी पर गर्व का अनुभव कर रहा हूं।

- गौतम सिंघानिया, उद्योगपति

दर्शकों का शुक्रिया

मेरे नाटक कुछ भी हो सकता है के लिए प्यार, गर्मजोशी, प्रशंसा और अंतहीन तालियों के लिए दिल्ली के दर्शकों का शुक्रिया। आयोजकों और सभी स्वयंसेवकों ने एक शानदार और कठिन काम को इतनी सहजता और सहजता से अंजाम दिया।

- अनुपम खेर, अभिनेता

करंट अफेयर

टाइम्स स्क्वायर पर महिला सशक्तिकरण का जश्न

न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर में भारतीय प्रवासी समुदाय और अन्य देशों की महिलाओं ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान साड़ी की खूबसूरती, विरासत, कलात्मकता और समुदाय के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण का जश्न मनाया। इस दौरान रंग-बिरंगी और विभिन्न शैलियों की साड़ियां इस लोकप्रिय स्थल पर छा गईं। 'साड़ी गोज़ ग्लोबल' कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का आयोजन रविवार को न्यूयॉर्क स्थित परोपकारी संगठन 'उमा ग्लोबल' ने न्यूयॉर्क के भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया। उमा ग्लोबल द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस वर्ष के उत्सव में भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन, वेस्ट इंडीज, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, अमेरिका के कई शहरों और स्थानीय न्यूयॉर्क निवासियों ने हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में काउंसलर (चांसरी प्रमुख) प्रज्ञा सिंह ने साड़ी के गहन सांस्कृतिक इतिहास और विविधता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "साड़ी दुनिया के सबसे पुराने लगातार पहने जाने वाले परिधानों में से एक है, जिसकी परंपरा हजारों साल पुरानी है। इसकी अनगिनत शैलियां, पहनने के तरीके और कपड़े भारत की असाधारण विविधता और कलात्मक विरासत को प्रतिबिंबित करते हैं।'

ऑफ बीट

हिंसा कई बच्चों के जीवन का एक सामान्य हिस्सा

दुनियाभर के कई देशों में बच्चे हिंसा के बीच बड़े हो रहे हैं। यह हिंसा घर पर, उनके पड़ोस में या दोनों जगह हो सकती है। इससे कुछ बच्चों को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचता है जबकि कुछ बच्चों को उनकी देखभाल करने वालों के बीच या अपने समुदायों में हिंसा के कारण अप्रत्यक्ष नुकसान होता है। किसी भी प्रकार से हिंसा के बीच बड़े होने का बच्चों पर गहरा असर पड़ सकता है। साक्ष्य दर्शाते हैं कि हिंसा और खराब मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध बच्चे के स्कूल की आयु से पहले ही देखा जा सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन में हिंसा के संपर्क में आने से इसका असर जीवन भर नजर आता है। हम बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान एवं मनोविज्ञान के शोधकर्ता हैं और यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हिंसा के शुरुआती अनुभव छोटे बच्चों के संज्ञानात्मक और भावनात्मक स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर रहे हैं। यहां हम 20 देशों में किए गए अध्ययनों की समीक्षा और दक्षिण अफ्रीका में बच्चों के एक बड़े समूह से प्राप्त नए आंकड़ों से प्राप्त निष्कर्षों पर चर्चा कर रहे हैं। हमने पाया कि जिन देशों का हमने अध्ययन किया, उन सभी में बच्चों के लिए हिंसा का सामना करना बेहद आम है और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव बचपन में ही दिखाई देने लगता है।

विकास कार्यों में धीमी गति से लोगों में नाराजगी

डाला सोनभद्र।स्थानीय नगर के वार्ड नंबर 09 और वार्ड नंबर तीन में स्थित नगर पंचायत कार्यालय के इलाके में विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर लोगों में नाराजगी, आखिर क्यों चल रही है सिर्फ खानापूर्ति की कार्रवाई सभासद प्रतिनिधि/डाला नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल ने जिम्मेदारों पर अनदेखी करने का आरोप लगाया है ।गौरतलब हो कि नव सृजित नगर पंचायत डाला बाजार का गठन हुए 5 वर्ष पूर्ण होने को है इन गत 5 वर्षों में नगरी सेवाओं एवं सुविधाओं आदि विकास कार्यों को बहाल रखने के लिए नगर पंचायत की प्रशासनिक टीम द्वारा करीब ढाई वर्ष तक संचालित किया गया जिसमें नगर की विकास गति बढ़ती हुई दिखी ।

दुष्कर्म के आरोपी राजा सिंह उर्फ राजा बाबू की जमानत अर्जी खारिज

-चार वर्ष से आंगनबाड़ी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर महिला के साथ जबरन बलात्कार करने का था आरोप।

-शिकायत करने पर जान से मरवाने की धमकी देने का था आरोप।

सोनभद्र। आंगनबाड़ी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर महिला के साथ चार वर्ष से कई बार जबरन बलात्कार करने व शिकायत करने पर जान से मरवाने की धमकी दिए जाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी/सीएडब्लू) सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए गम्भीर प्रकृति का अपराध मानते हुए आरोपी राजा सिंह उर्फ राजा बाबू की जमानत अर्जी खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी कोतवाली क्षेत्र निवासी पीड़ित महिला ने 15 मई 2025 को कोतवाली दुद्धी में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि करीब 4 वर्ष से आंगनबाड़ी की नौकरी लगवाने का झांसा देकर उसके साथ राजा सिंह उर्फ राजा बाबू पुत्र स्वर्गीय बनारसी लाल उर्फ घमंडी निवासी वार्ड नम्बर 2 दुद्धी, कोतवाली दुद्धी, जिला सोनभद्र कई बार बलात्कार करता रहा। राजा सिंह सबसे पहले 11 दिसंबर 2020 को जब वह अपनी ससुराल में अकेली थी तो उसके घर आया था और आंगनबाड़ी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर जबरन बलात्कार किया। इसके बाद अक्सर फायदा उठाकर जबरन सम्बंध बनाता रहा। शिकायत करने पर जान से मरवाने की धमकी देता था, जिसकी वजह से भयभीत होकर कहीं शिकायत नहीं कर सकी।8 अप्रैल 2025 को राजा सिंह ने उसके बेटे को मोबाइल पर धमकी दिया कि अपनी मां से कह दो कि वह खुश करती रहे और जैसा कह रहा हूं वैसा ही करे तो नौकरी लगवा दूंगा। लेकिन उसने नौकरी नहीं लगवाया।

गाजीपुर सिटी स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान

गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर एक सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।इस दौरान 24 बिना टिकट यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे लगभग 6200 रुपए का जुमार्ना वसूला गया।प्लेटफॉर्म पर अनाधिकृत रूप से घूम रहे 6 लोगों का आरपीएफ ने चालान भी किया।

नाराजगी या फिर कोई और रहा कारण

'एसआईआर' पर कांग्रेस की बैठक में ही नहीं पहुंचे थरूर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के 12 राज्यों में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने वाली है, जिसे लेकर कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को एक बैठक बुलाई थी। इस बैठक में कांग्रेस के उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एआईसीसी महासचिव और प्रभारियों समेत वरिष्ठ नेता शामिल हुए, जहां चुनाव आयोग एसआईआर करने वाली है। कांग्रेस की इस अहम बैठक से पार्टी के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद शशि थरूर गायब रहे। कांग्रेस के आला कमान की ओर से थरूर को भी इस महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। थरूर के कार्यालय ने बैठक से उनकी अनुपस्थिति के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया।

रणनीति बनाने समीक्षा बैठक थी आहूत

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में होने वाले एसआईआर पर व्यापक रणनीति बनाने के लिए

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिवों, इंचार्जों, पीसीसी, सीएलपी और सचिवों के साथ मिलकर व्यापक रूप से समीक्षा की गई। वेणुगोपाल ने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। चुनाव आयोग देश के लोकतंत्र को खत्म कर रहा है. राज्यों के वोटर लिस्ट से कुछ सेक्शन का वोट जानबूझकर काटा जा रहा है, ये पूर्ण रूप से अलोकतांत्रिक है।

सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया, सघन तलाशी ली

दिल्ली के 4 कोर्ट और 2 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी अफवाह निकली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की कई जिला अदालतों में मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। धमकी के बाद साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी स्थित अदालतों को तुरंत खाली करा लिया गया था और गहन तलाशी अभियान चलाया गया था।बम की धमकी के कारण अदालती कार्यवाही को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया था। सभी न्यायाधीशों, वकीलों, कर्मचारियों और आगंतुकों को तुरंत इमारतों से बाहर निकाला गया। बम निरोधक दस्ते और सुरक्षाकर्मियों ने पूरे परिसर की बारीकी से जांच की। पटियाला हाउस कोर्ट में विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए, जहां बम निरोधक दस्ते ने गहन जांच की।

साकेत कोर्ट में अलर्ट

सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद, दोपहर के भोजन के बाद अदालती कार्यवाही को फिर से शुरू करने की अनुमति मिल सकती है। साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन के मानद सचिव, अनिल बसोया, एडवोकेट द्वारा जारी एक सूचना में सदस्यों को सूचित किया गया कि न्यायालय परिसर में सुरक्षा संबंधी समस्या के कारण, अगले दो घंटों के लिए सभी न्यायालयीन कार्य अस्थायी रूप से स्थगित कर दिए गए थे। सूचना में सभी सदस्यों से शांत रहने, अधिकारियों के साथ सहयोग करने और अनावश्यक भीड़ या अफरा-तफरी न मचाने का अनुरोध किया गया था।

दिल्ली का पटियाला कोर्ट

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

// दैनिक समाचार पत्र का प्रकाशन //

आम जनता ग्राम-बैजनाथपुर, प०ह०नं0-01, रा०नि०मं०-भैयाथान, तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण अमर सिंह आ० स्व० समयलाल वगै० उम्र लगभग 40 वर्ष जाति गोड निवासी ग्राम बैजनाथपुर तहसील भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम वैजनाथपुर प०ह०नं0-01 रा०नि०म० भैयाथान तहसील भैयाथान में स्थित भूमि खसरा नम्बर -533 रकबा 2.00 हे० भूमि स्थित है उक्त आवेदित भूमि में वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदकगण के पिता समय लाल आ० चमरू एवं विहानो पत्नि चमरू के नाम पर दर्ज है मेरे पिता की मृत्यु दिनांक 22.12.2024 को हो गया है तथा मेरी दादी का मृत्यु पूर्व में हो चुका है जिससे आवेदकगण ने वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदकगण के पिता समयलाल आ० चमरू एवं बिहानो पत्नि स्व० चमरू का नाम विलोपित कर उनके उत्तराधिकारीयों का नाम फौती नामांतरण के रूप में दर्ज किये जाने हेतु छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र मय दस्तावेज प्रसतुत किया गया है।

अतः जिस किसी हितबद्व पक्षकार को आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 28/11/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 14/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार
भैयाथान

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी (छ0ग0)

क्रमांक/3623/ वाचक-1/ डायवर्सन/2025

मनेन्द्रगढ़, दिनांक 11/11/2025

(प्रणयदीप सिंह कालरा प्रति छ०ग० शासन)

'ईश्तहार'

रा०प्र०क्र० 202511330400005/ अ-2/2025-26

पक्षकार प्रणयदीप सिंह कालरा प्रति छ०ग० शासन, ग्राम लालपुर

ग्राम/नगर लालपुर की जनता को सूचित किया जाता है आवेदक प्रणयदीप सिंह कालरा आ० दलजीत सिंह कालरा, निवासी नेहरू नगर मार्ग, कल्पना बिहार, बिलासपुर तह० बिलासपुर, जिला बिलासपुर (छ०ग०) द्वारा छ०ग०भू०रा० संहिता की धारा 172 के तहत्प०ह०नं० 12, ग्राम लालपुर में स्थित भूमि खसरा नं0 89/2, रकबा 1.214 हे० भूमि का राजस्व अभिलेखों में दर्जशुदा भूमिस्वामी एवं कब्जेदार है। उक्त भूमि को आवेदक को पंजीकृत बैनामा से क्रय करने से प्राप्त हुई है। आवेदक उक्त भूमि के सम्पूर्ण रकबा 1.214 हे0 का व्यवसायिक प्रयोजन हेतु डायवर्सन कराने हेतु मय दस्तावेज सहित पेश किया गया है। अतः उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 25/11/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक किरण वर्मा पति स्व० राजेन्द्र प्रसाद वर्मा निवासी महामाया रोड मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2366/5, 2373/9, 2373/10, 2374/3 रकबा 0.012, 0.032, 0.030, 0.004 पथ तहसील्ह सेसे अपने अंश की भूमि को अनावेदक नीरज वर्मा आ०स्व० राजेन्द्र प्रसाद वर्मा निवासी महामाया रोड मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पक्ष में हक परित्याग किये जाने हेतु अनुमति आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

- ईश्तहार-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम कुंजनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री देवेन्द्र कुमार पिता भोज राज, जाति रजवार निवासी ग्राम कुंजनगर तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कुंजनगर, प.ह.नं. 04, रा.नि.मं. विश्रामपुर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 118/3 रकबा 0.1470 हे. मे से 0.03 हे. कृषि भूमि को अवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो ये स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 26/11/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चातप्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 12/11/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-ईश्तहार-

एतद् ?द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सतपता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री गयासुउददीन पिता श्री रोज मोहम्मद, जाति मुसलामान निवासी ग्राम सतपता तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सतपता, प.ह.नं. 03 रा.नि.मं. विश्रामपुर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 205/11 रकबा 0.020 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 26/11/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 12/11/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम अलीअसगर पिता शब्बीर हुसैन है। अब मैं अपने पुराने नाम को बदलकर नया नाम अलीअसगर शब्बीर हुसैन शाजापुरवाला पिता शब्बीर हुसैन पता नियर अग्रवाल लॉज , मनेन्द्रगढ़ जिला : मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर रख रहा हूं।

अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्धशासकीय दस्तावेजों में मुझे मेरे नये नाम अलीअसगर शब्बीर हुसैन शाजापुरवाला पिता शब्बीर हुसैन के नाम से जाना एवं पहचाना जावे। इस इश्तिहार का प्रकाशन पासपोर्ट बनवाने के लिए किया जा रहा है।

नाम अलीअसगर शब्बीर हुसैन शाजापुरवाला
पिता शब्बीर हुसैन पता
वार्ड नंबर-10 नियर अग्रवाल लॉज, मनेन्द्रगढ़
जिला : मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर
छत्तीसगढ
Pincode : 497442

किसानों का इंतजार खत्म

आज पीएम किसान 21वीं किस्त का पैसा जारी करेंगे प्रधानमंत्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त की तारीख तय हो गई है। लंबे समय से 21वीं किस्त के पैसों का इंतजार कर रहे देशभर के करोड़ों किसानों के लिए आखिरकार खुशखबरी आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार दोपहर 2 बजे तमिलनाडु से देश के 9 करोड़ किसानों के खातों में 18,000 करोड़ ट्रांसफर करेंगे। डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर के जरिये हर पात्र किसान को 2,000 रुपए मिलेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जानकारी दी कि पीएम तमिलनाडु के कोयम्बटूर में होने वाले एक कार्यक्रम में पीएम किसान की 21वीं किस्त जारी करेंगे। 24 फरवरी, 2019 को शुरू की गई इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र किसान परिवार को 6,000 रुपए की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सरकार ने पहले ही 4 राज्यों पंजाब, हिमाचल, जम्मू और कश्मीर और उत्तराखंड के किसानों के खाते में 21वीं किस्त जारी कर दी है। किसानों को इसका इंतजार है।

ट्रायल रन रहा सफल

180 किमी के रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत स्लीपर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अनुसंधान डिज़ाइन एवं मानक संगठन ने दूसरे वंदे भारत स्लीपर रेक का ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह नई ट्रेन बीईएमएल द्वारा आईसीएफ टेक्नॉलाजी का इस्तेमाल करके विकसित की गई है।

इस नई सेमी-हाई-स्पीड स्लीपर ट्रेन से पूरे भारत में लंबी दूरी की रेल यात्रा में बड़े बदलाव आने की उम्मीद है। परीक्षणों के दौरान आरडीएसओ ने तीन रेलवे जोन में 16-कोच वाले प्रोटोटाइप स्लीपर रेक-2 पर कई गति पर विस्तृत ऑसिलेशन ट्रायल और आपातकालीन ब्रेकिंग डिस्टेंस परीक्षण किए। इस रेलवे जोन में उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे शामिल है।अब ध्यान अगले चरणों पर केंद्रित है, जिसमें ट्रेन के आधिकारिक लॉन्च के लिए मंजूरी और तैयारी शामिल है। दूसरे वंदे भारत स्लीपर रेक का परीक्षण पूरा होने के बाद,ट्रेन को परीक्षण के दौरान पहचाने गए आवश्यक सुधारों और समायोजनों के लिए बीईएमएल वापस भेजा जाएगा।

भाजपा ने किया किसी भी मतभेद होने की खबरों का खंडन

कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं हुए शिवसेना के मंत्रीगण, सिर्फ उपमुख्यमंत्री शिंदे बैठे रहे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी निकाय चुनावों से पहले महायुति के अंदर कलह की खबरें हैं। महायुति सरकार के अधिकांश शिवसे के खेमे के मंत्री मंगलवार को साप्ताहिक कैबिनेट बैठक से दूर रहे। मंत्रालय में कैबिनेट बैठक में केवल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद थे।भाजपा ने गठबंधन में किसी भी तरह के मतभेद होने की खबरों का खंडन किया है। शिवसेना खेमे के मंत्री इसलिए दूर रहे ताकि वे भाजपा को संदेश दे सकें कि जैसा हो रहा है, वह स्वीकार नहीं किया जाएगा। दोनों में रार बीएमसी चुनाव से पहले शुरू हुई है। डोंबिवली में कई शिवसैनिक हाल ही भाजपा में शामिल हो गए थे, जिसे लेकर शिवसेना में नाराजगी है।

बैठक का का नजारा

शिवसेना को फडणवीस की दो टूक

इस पूरे प्रकरण को लेकर शिवसेना के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके कक्ष में मुलाकात की और डोंबिवली के घटनाक्रम पर अपनी नाराजगी जताई। इस पर फडणवीस ने कहा कि पड़ोसी उल्हासनगर में भाजपा सदस्यों को सबसे पहले शिवसेना ने ही अपने पाले में शामिल किया था। मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर शिवसेना नेताओं से कहा कि जब उनकी पार्टी अन्य सहयोगियों के सदस्यों को अपने पाले में लेती है, तो भाजपा द्वारा ऐसा करने पर उन्हें शिकायत नहीं करनी चाहिए।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम गोपालपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रवि जैन पिता श्री सतीश कुमार जैन, जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम भैयाथान रोड़ सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम गोपालपुर, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 315/7 रकबा 0.040 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 03.12.2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 18.11.2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र/ अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पतरापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक सद्दाम अंसारी आ. मो. रशीद अंसारी, जाति-मुसलमान, निवासी ग्राम चन्दरपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम पतरापारा, प.ह.नं. 06, रा.नि.मं. बसदेई, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 529/2 रकबा 0.030 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 03.12.2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 18.11.2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सतपता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती फुलपति आ. श्री रामकैलाश वाई, जाति हलवाई, निवासी ग्राम सतपता, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सतपता, प.ह.नं. 03, रा.नि.मं. विश्रामपुर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 243 रकबा 0.58 हे. में से रकवा 0.040 हे. कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 20/11/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 06/11/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202511020700084

विषयः- ब-121

मामले की श्रेणी- राजस्व

सनः-1025-2026

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [(हे०)]

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार फरहा नाज,

अनावेदक पक्षकार छ०ग० शासन

ईश्तहार

आवेदक फरहा नाज पति मोइ्नशीम निवासी मोमिनपुरा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2513/6 रकबा 0.020 हे , भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12.12.2025 के पूर्व न्यायालय में सांप अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनाक 17/11/2005 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

क्रमांक / वाचक/2024

बैकुण्ठपुर दिनांक //2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/ नगर वासी ग्राम चरचा को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका अनिल कुजूर पिता/पति लखन राम जाति उरांव निवासी चरचा तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा नविन कुजूर निवासी चरचा का जन्म/मृत्यु दिनांक 17-08-2010 को होने के कारण जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 20-11-2025 को 11:00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियो पर कोई सुनवाई नही होगी। आज दिनांक 06-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ. ग.

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

क्रमांक/ वाचक / 2024

बैकुण्ठपुर दिनांक //2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी / नगरवासी ग्राम चरचा की आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका अनिल कुमार पिता/पति लखनराम जाति उरांव निवासी चरचा तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा जानकी निवासी चरचा का जन्म/ मृत्यु दिनांक 03-11-2014 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 20-11-25 को 11:00 बजे तक आपत्ति तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियो पर कोई सुनवाई होगी। आज दिनांक 07-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छ०ग०

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

क्रमांक/ वाचक / 2024

बैकुण्ठपुर दिनांक //2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी / नगरवासी ग्राम आमापारा की आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका अशोक कुमार पिता/पति जगमोहन जाति कुम्हार निवासी आमापारा तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा जवाहर लाल निवासी आमापारा का जन्म/ मृत्यु दिनांक 13-12-2003 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 28-11-25 को 11:00 बजे तक आपत्ति तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियो पर कोई सुनवाई होगी।आज दिनांक 19-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छ०ग०

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

क्रमांक/ वाचक / 2024

बैकुण्ठपुर दिनांक //2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी / नगरवासी ग्राम आमापारा की आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका अशोक कुमार पिता/पति जगमोहन जाति कुम्हार निवासी आमापारा तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा प्रिती निवासी आमापारा का जन्म/ मृत्यु दिनांक 01-04-2010 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 28-11-25 को 11:00 बजे तक आपत्ति तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियो पर कोई सुनवाई होगी। आज दिनांक 12-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छ०ग०

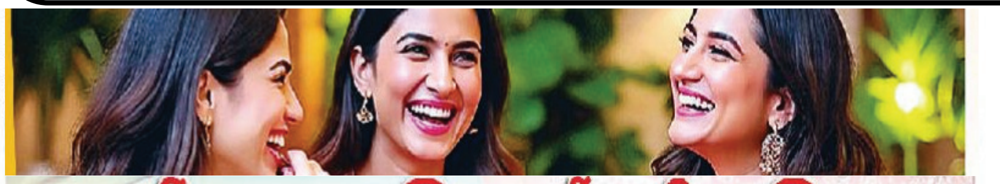

सोशल बनिए-हैप्पी रहिए लंबी उम्र भी पाइए

आज जिसको देखो वही एक अकेलापन महसूस करता है। इसके पीछे आधुनिक जीवनशैली के साथ व्यक्ति का अपना स्वभाव बहुत मायने रखता है। हम अपनों से दूर होते जा रहे हैं, जबकि शोध बताते हैं, व्यक्ति को सोशल जरूर होना चाहिए, फैमिली मेंबर्स ही नहीं, फ्रेंड्स, रिलेटिव्स से हमेशा जुड़े रहना चाहिए, यह तन-मन के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बात पर दुनिया भर के मनोवैज्ञानिक बहुत बल देते हैं।

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

आज के समय में अकेलापन एक बढ़ती हुई चिंता का विषय बन गया है। कहने को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भले ही आपके हजारों फॉलोअर्स और फ्रेंड्स हों, लेकिन रियल लाइफ के सोशल सर्किल और फ्रेंड्स के बिना किसी भी व्यक्ति की जिंदगी अधूरी है। क्योंकि वर्चुअल फ्रेंड कभी काम नहीं आते, हर अच्छे-बुरे समय में हमेशा नजदीकी स्नेही स्वजन ही काम आते हैं। मनोवैज्ञानिक भी मान चुके हैं, जीवन में जिंदादिल लोगों और दोस्तों का होना बेहद जरूरी है। लंबी आयु और शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक अच्छा सामाजिक दायरा और दोस्त बेहद जरूरी हैं। कई अध्ययन हो चुके हैं, जिनमें बताया गया है कि सामाजिक रूप से सक्रिय रहने वाले और मेल-जोल रखने वाले लोग हमेशा प्रसन्न, सफल और स्वस्थ रहते हैं, साथ ही ऐसे लोगों की उम्र भी लंबी होती है।

थोड़ा-सा मेल-जोल भी लाभकारी: सवाल यह है कि लंबे समय तक जीने के लिए कितना सामाजिक होना चाहिए। इसके लिए आपको यह समझना होगा, अपने जरूरी काम-काज छोड़कर आपको दोस्तों या समाज के बीच नहीं घूमना है। बहुत ज्यादा नहीं, बस थोड़ा-सा सोशल होना फायदेमंद है। जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिटी हेल्थ द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित एक बड़े चीनी अध्ययन से इस तथ्य की पुष्टि होती है। वैज्ञानिकों ने 28,000 से अधिक लोगों (औसत आयु 89) के स्वास्थ्य, जीवनशैली की आदतों और सामाजिक गतिविधि का मूल्यांकन किया, जिनके जीवित रहने पर औसतन पांच साल या मृत्यु तक नजर रखी गई थी। पहले पांच वर्षों के भीतर, जितना अधिक लोग सामाजिक थे, वे उतने ही लंबे समय तक जीवित रहे। उक्त समूहों में से प्रत्येक, अपने से पहले वाले से अधिक समय तक जीवित रहा, जो कभी-कभार मासिक, साप्ताहिक या हर दिन सामाजिक होते थे। इनमें से किसी भी समूह के लोग उन लोगों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहे, जो बिल्कुल भी सामाजिक नहीं थे। लेकिन हम जानते हैं कि सामाजिकता के कई महत्वपूर्ण लाभ हैं, जिनमें अकेलापन, अलगाव, डिमेंशिया और दीर्घकालिक बीमारियों के जोखिम का कम होना भी शामिल है। इसलिए अपनी सामाजिक गतिविधियों को बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित करें, जैसे किसी दोस्त को नियमित फोन करना या उसके साथ मिलना-जुलना।

बहुत खतरनाक है सामाजिक अलगाव: वैज्ञानिकों का कहना है कि आप चाहे जितना पौष्टिक भोजन लें, लेकिन अकेले और उदास रहते हैं तो आपको सिर्फ अच्छे खान-पान का ज्यादा फायदा नहीं होने वाला। शोध में पाया गया है कि सामाजिक अलगाव के प्रभाव स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। अकेलेपन के नकारात्मक प्रभाव, प्रतिदिन 15 सिगरेट पीने जितना हानिकारक हो सकते हैं। इससे हृदय रोग, स्ट्रोक और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अकेलेपन के लक्षण हमें कोशिकीय स्तर तक भी प्रभावित कर सकते हैं। अकेलापन भावनात्मक तनाव को बढ़ा सकता है, जो हमारी कोशिकाओं में ऑक्सीडेटिव तनाव के रूप में प्रकट होता है। यह ऑक्सीडेटिव तनाव, हमारे माइटोकॉन्ड्रिया को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन हो सकता है। इससे उम्र बढ़ने की प्रक्रिया तेज हो जाती है और उम्र से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। अच्छी बात यह है कि केवल सामाजिक संपर्कों को बढ़ावा देने और बनाए रखने से स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है, इससे जीवनकाल बढ़ सकता है। इसके लिए ग्रुप एक्टिविटीज में भाग लेना, ऑनलाइन सोशल सर्किल की खोज करना, आजीवन सीखना और वॉलंटियरिंग करना सक्रिय सामाजिक जीवन को बनाए रखने में मदद कर सकता है। सामाजिक संबंध और मानसिक स्वास्थ्य भी आपस में जुड़े हुए हैं। अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सबब बन जाता है, जिनमें अवसाद, चिंता और संज्ञानात्मक गिरावट शामिल है।

जीवन भर खुश रखते हैं करीबी रिश्ते: हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट द्वारा किए गए एक अध्ययन में पता चला है कि हमारे रिश्ते और हम उनमें कितने खुश हैं, इसका हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। पैसे या शोहरत से ज्यादा करीबी रिश्ते ही जीवनभर खुश रखते हैं। ये रिश्ते लोगों को जीवन में असंतोष से बचाते हैं, मानसिक और शारीरिक गिरावट को टालने में मदद करते हैं। लोगों से रिश्ते, सामाजिक वर्ग और जीन (वंशानुगत गुणों) की तुलना में भी लंबे और खुशहाल जीवन के बेहतर संकेतक हैं। शोधकर्ताओं ने पाया है कि सुखी और समृद्ध जीवन का, परिवार, दोस्तों और सामाजिक संबंधों के साथ एक मजबूत नाता है। यह भी पाया गया कि लोगों के अपने रिश्तों से संतुष्टि का स्तर उनके कोलेस्ट्रॉल के स्तर की तुलना में शारीरिक स्वास्थ्य का एक बेहतर पैमाना होता है।

फ्रेंड्स साथ होने के फायदे

टेंशन से बचाएं: दोस्तों के साथ वक्त बिताने और हंसी-मजाक करने से स्ट्रेस कम होता है और मूड अच्छा रहता है, यह कई शोध के नतीजों में सामने आ चुका है।

सफलता दिलाएं: अपने प्रोफेशनल फील्ड में मित्रों का होना सफलता को आसान और जल्दी संभव कर सकता है। जब आप कुछ करती हैं और आपके मित्रों द्वारा प्रशंसा, मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन मिलता है तो आपकी राह आसान हो जाती है।

बैड हैबिट्स छुड़ाएं: मित्र अच्छे हों तो आपको कई बुरी आदतों से बचा सकते हैं। मित्र ही बिंदास होकर पूरे हक से आपको बुरी आदतों के बारे में बता सकते हैं।

अकेलेपन से बचाएं: अकेलेपन से मित्र ही मुक्ति दिला सकते हैं। उनसे बातचीत करके न सिर्फ क्वालिटी टाइम बिताया जा सकता है बल्कि मूड भी सही रखा जा सकता है।

इम्यून सिस्टम अधिक मजबूत रहता है: स्वस्थ, दीर्घायु और खुश रहने के लिए अच्छी नींद, व्यायाम, सही भोजन तो जरूरी है ही, साथ ही समग्र स्वास्थ्य यानी हमारी वेल बीइंग के लिए मानव संपर्क बहुत जरूरी हैं। शोध बताते हैं, दूसरों से जुड़ा हुआ महसूस करने वालों का इम्यून सिस्टम बाकी लोगों की तुलना में अधिक मजबूत रहता है। लेकिन यह जुड़ाव वर्चुअल नहीं रियल होना चाहिए। वैज्ञानिक कहते हैं, चाहे हम खेल रहे हों, खा-पी रहे हों, बात कर रहे हों या प्रियजनों के साथ हंस रहे हों, हम जो संपर्क महसूस करते हैं, वो हमारी जागरूकता को मजबूती से वर्तमान में स्थापित करता है, जबकि अकेले होने पर हम चिंता करते रहते हैं। इसलिए अधिक अकेले समय बिताने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि मिलते-जुलते रहने से खुशी का स्तर बढ़ता है।

सामाजिक फिटनेस मूड बूस्टर: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा 85 वर्ष तक एक शोध किया गया। इसमें किशोरावस्था से बुढ़ापे तक के लोग शामिल किए गए। देखा गया कि मजबूत और अच्छे संबंधों वाले लोग, उनके मुकाबले ज्यादा खुश, स्वस्थ और लंबे समय तक जिए, जिनके पास ऐसे संबंध नहीं थे।

मजबूत रिलेशन-बॉन्डिंग के लिए समझें पुरुषों की भावनात्मक जरूरतें

आम धारणा यही है कि महिलाएं, पुरुषों से अधिक इमोशनल होती हैं। इसका यह मतलब नहीं, पुरुषों की कोई भावनात्मक जरूरत नहीं होती। सच तो यह है, रिश्ता कोई भी हो पुरुषों से मजबूत बॉन्डिंग के लिए आपको उनकी इमोशनल जरूरतों को समझना चाहिए।

रिलेशनशिप

अंजू जैन

अकसर पुरुषों के मन में ये सवाल उठते रहते हैं कि कोई हमारे मन की थाह क्यों नहीं लेता? हमारे शरीर में कोई दिल नहीं धड़कता क्या? क्या हमारी कोई भावनाएं नहीं हैं? कोई क्यों नहीं समझता कि हमें भी एक इमोशनल सपोर्ट चाहिए होता है? असल में पुरुषों की भी कुछ भावनात्मक जरूरतें होती हैं, जिन पर कोई बात ही नहीं करना चाहता। विश्व पुरुष दिवस (19 नवंबर) के अवसर पर आपको बता रहे हैं बेहतर रिलेशन के लिए पुरुषों को इमोशनल सपोर्ट देना कितना इंपॉर्टेंट होता है?

पुरुषों को भी तारीफ चाहिए: पुरुषों को अकसर टेकेन फॉर ग्रांटेड लिया जाता है। कई महिलाएं मानती हैं कि घर का सामान लाना, कोई भी झंझट, विवाद हो उससे निपटना, जॉब कर घर खर्च चलाना तो उनका कर्तव्य है, इसके लिए उनकी क्या प्रशंसा की जाए? वे एक्स्ट्रा वर्क करके, अपनी जरूरतों को कम करके, त्याग करके भी कुछ करते हैं तो कई मामलों में पत्नी या बच्चे उनको थैंक यू तक बोलना जरूरी नहीं समझते, क्योंकि यह मान लिया गया है कि ये तो उनका फर्ज है। यह कभी न भूलें कि भले ही पुरुष इन्हें अपनी जिम्मेदारी और फर्ज समझकर पूरा करते हैं, फिर भी उनके दिल में चाह रहती है कि कोई उनके लिए तारीफ के दो शब्द अवश्य कहे। जब आप समय-समय पर अपने पुरुष साथी की तारीफ करती हैं, तो इससे उन्हें बहुत दिली सुकून मिलता है।

पुरुषों के शौक में रुचि दिखाएं: महिलाओं को सजने-संवरने का, मूवी देखने या घूमने फिरने का शौक होता है, यह सब मान लेते हैं। लेकिन पुरुषों के ऐसे किसी शौक में दिलचस्पी लेने को सहज नहीं माना जाता है। उन्हें अकसर परिवार में टोक दिया जाता है कि अरे ये सब छोड़ो परिवार संभालो या ज्यादा इनकम पर ध्यान दो। अच्छी लाइफ के लिए पुरुषों को भी अपने परिवार और जीवनसाथी से शौक पूरे करने का समर्थन मिलना चाहिए।

उनकी बातें ध्यान से सुनें: बाहर से भले ही पुरुष खुद को मजबूत दिखाएं लेकिन वे भी चाहते हैं कि कोई उनके मन की थाह ले। वे अपनी भावनाएं, तकलीफ, समस्याएं किसी के साथ साझा करना चाहते हैं। उनको भी सहानुभूति के बोल चाहिए होते हैं और किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो कह सके कि 'डोंट वरी बी हैप्पी, मैं हूं न।' सुनने का प्रभावी तरीका यह है कि जब वह बोल रहे हों तो आप तब तक खुद को टिप्पणी करने या बोलने से रोक सकती हैं, जब तक वह पूरी बात बोल न लें। बीच में उन्हें न टोकें। इससे उन्हें लगेगा कि आप उनकी बातों को महत्व देती हैं।

उन्हें भी समर्पण चाहिए

अकसर महिलाएं, पुरुषों पर बेवफा होने के आरोप लगाती हैं, लेकिन सभी पुरुष या स्त्री एक जैसे नहीं होते। अपने परिवार और रिश्तों से जुड़ा हुआ पुरुष सदैव अपने परिवार और साथी के प्रति विश्वसनीय और प्रतिबद्ध होता है। ऐसे में वह भी अपने नजदीकी लोगों से समर्पण और प्रतिबद्धता चाहता है। किसी पुरुष की भावनात्मक जरूरतों से जुड़ने का एक तरीका है यह भी है कि आपको पुरुष को यह दिखाना होगा कि उसके प्रति आप भी विश्वसनीय हैं। वाई जोएल वोंग और आरोन बी. रोचलेन ने एक शोध अध्ययन के आधार पर 'डेमिस्टिफाइंग मेंस इमोशनल बिहेवियर' नामक पुस्तक में लिखा है कि अच्छी बॉन्डिंग के लिए महिलाओं को अपने पुरुष साथी की भावनात्मक जरूरतों के बारे में अवश्य जानना चाहिए। यह किताब पुरुषों के भावनात्मक व्यवहार पर प्रकाश डालती है।

आत्मीय स्पर्श भी है कारगर: मैथ्यू हसी की पुस्तक 'गेट द गाइ' में वास्तविक और अच्छे पुरुष को खोजने और उसे खुशहाल बनाए रखने के लिए कुछ आवश्यक सुझाव दिए गए हैं। पुस्तक में कहा गया है कि अधिकांश स्त्रियां हमेशा यही सोचती हैं कि प्यार और स्नेह पर उनका ही हक है। जबकि शारीरिक स्पर्श जैसे गले लगाना, हाथ पकड़ना आदि पुरुषों के लिए भी भावनात्मक जुड़ाव का एक महत्वपूर्ण तरीका हो सकता है। इस तरह का प्यार भरा स्पर्श ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन को स्त्रावित करता है, जो जुड़ाव की भावना पैदा करता है।

आमतौर पर पैरेंट्स यही सोचते हैं कि बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए डांटना और मारना जरूरी है, जबकि बच्चे उनके प्यार से समझाने पर आसानी से उनकी बातें मान सकते हैं।

बच्चे डांटने-मारने से नहीं प्यार से समझाने पर सीखते हैं सब कुछ

बच्चे और आप

नीलम अरोड़ा

बच्चों को कुछ सिखाने के लिए उन्हें डांटने, मारने का तरीका अब पुराना हो चुका है। पुरानी पीढ़ी के पैरेंट्स की यही सोच थी कि बच्चों को सिखाने के लिए उन्हें डांटना, मारना जरूरी है। उस दौर के पिताओं का तो मानना ही था कि बच्चे में माता- पिता का डर होना चाहिए। उनके इस डर के चलते ही वो कोई भी गलत काम करने से पहले एक-दो बार नहीं, बार-बार सोचेंगे। बच्चों को अनुशासन सिखाना हर पैरेंट्स की जिम्मेदारी है। उनको अनुशासन सिखाने के लिए प्यार और पॉजिटिव तरीके से भी अच्छी आदतें डाली जा सकती हैं, क्योंकि जब उन्हें चीजों को प्यार से समझाया जाता है, बिना जबर्दस्ती के तो बच्चों को सही और गलत का अंतर पता चलने लगता है। इससे वे अपने लिए सही रास्ता चुनने की क्षमता अपने भीतर विकसित कर लेते हैं। बच्चों को बिना डांट-फटकार के कैसे अनुशासित बनाएं, जानिए-

तारीफ करें: बच्चे को बहुत प्यार से अपने काम करने के लिए आसानी से प्रेरित किया जा सकता है। यदि वह कोई अच्छा काम करता है, समय से अपना होमवर्क करता है, स्कूल से आने के बाद अपना बैग, अपने जूते सही जगह पर रखता है, अपनी यूनिफॉर्म उतारकर हाथ-मुंह धोकर खाना-खाना जैसे दैनिक जीवन के काम अगर वह अपने आप अच्छी तरह करता है तो उसके लिए उसकी पीठ थपथपाएं और उसकी तारीफ करें। क्योंकि तारीफ के छोटे-छोटे शब्द भी बच्चों को अनुशासन सिखाने के लिए मोटिवेट करते हैं। उन्हें जब मां से प्यार और सराहना मिलती है, तो वे बार-बार उसी व्यवहार को दोहराते हैं।

निर्णय लेने की क्षमता विकसित करें: अकसर बच्चे अपने पैरेंट्स की कही बात को नहीं मानते। यदि आप उसे किसी बात को करने के लिए कहती हैं तो वह इस ओर ध्यान नहीं देता है। बच्चों के साथ जबर्दस्ती करने के बजाय, उसे उसका निर्णय खुद लेने की छूट दें, जिससे वह एक बार वैसा नहीं करता, जैसा आप कहते हैं, तो जब उसको इसके उल्टे नतीजे मिलते हैं, तो उसमें उस चीज को समझने की अपने विवेक से जो क्षमता आती है, वह उसके लिए बेहद जरूरी है। यानी बच्चे जब अपने फैसलों से कुछ सीखते हैं तो वह सीख उन्हें ताउम्र काम आती है।

बच्चे की भावनाओं को समझें: अगर बच्चा बार-बार कोई गलती करता है तो उसे उसके हाल पर छोड़ने के बजाय वह ऐसा क्यों कर रहा है, इस बात की तह तक जाना जरूरी है। अगर आपका बच्चा बार-बार ऐसा करता है तो उसे डांटने की बजाय उस सिचुएशन को समझदारी से हैंडल करें। उसे प्यार से अपने पास बिठाएं, उससे बात करें, इससे वह इमोशंस को समझता है और साथ में जब उसे आपमें भी पॉजिटिव सपोर्ट करने की बात दिखाई देती है, तो उसे खुद ब खुद सही और गलत में अंतर समझ में आ जाता है।

बच्चे का ध्यान बटाएं: अगर बच्चा लगातार शरारतें करता है, तो उसका ध्यान उन शरारतों से हटाकर उसकी क्रिएटिविटी को डेवलप करने में लगाएं। आप उसे डायवर्ट करके क्रिएटिविटी का ऑप्शन दे सकती हैं, इस तरह आपके बच्चे को नेगेटिव बिहेवियर से हटाकर पॉजिटिव एक्टिविटी की तरफ ले जाया जा सकता है।

हेयर केयर

ललिता गोयल

बदलते मौसम में जरूरी बालों की पूरी देखभाल

बदलते मौसम का असर शरीर के साथ-साथ हमारे बालों की सेहत पर भी दिखाई देता है। हवा में नमी के उतार-चढ़ाव और तापमान में बदलाव के कारण बाल कमजोर, रूखे और बेजान हो जाते हैं। ऐसे में बाल झड़ने और टूटने जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ऐसे मे कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर आप अपने बालों को मजबूत, शाइनी और हेल्दी बना सकती हैं।

नियमित करें ऑयल मसाज: बदलते मौसम में बालों में पोषक तत्व कम होने लगते हैं। इससे बाल ड्राई और वीक होने लगते हैं। ऐसे में हफ्ते में एक या दो बार नारियल, बादाम या आंवला के तेल को हल्का गर्म करके उससे सिर की मालिश करें। इससे स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और बालों को गहराई से पोषण मिलता है।

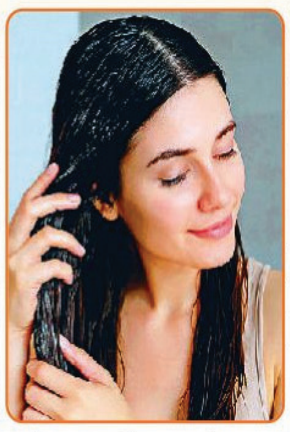

कंडीशनर का यूज करें: हफ्ते में 2-3 बार ही बाल धोएं। हर बार शैंपू के बाद कंडीशनर जरूर लगाएं। कंडीशनर बालों में नमी बनाए रखता है, उन्हें मुलायम करता है और उलझने से रोकता है।

डाइट का ध्यान रखें: बालों को मजबूत बनाने के लिए डाइट में प्रोटीन, विटामिन-ई, आयरन और ओमेगा-3 युक्त चीजें शामिल करें। जैसे- अंडे, दालें, नट्स, हरी सब्जियां। जंक फूड और बहुत अधिक तली-भुनी चीजों से दूरी रखें।

गुनगुने पानी से ही बाल धोएं: ज्यादा गरम पानी बालों की प्राकृतिक नमी को कम कर देता है। इसलिए बाल धोते समय हमेशा गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। साथ ही शैंपू के बाद कंडीशनर लगाना न भूलें।

गीले बालों में कंघी न करें: गीले बाल बहुत नाजुक हो जाते हैं, इसलिए गीले बालों में कंघी करने से वे ज्यादा टूटने लगते हैं। बालों को थोड़ा सूखने के बाद ही उन पर कंघी का इस्तेमाल करें।

हीटिंग टूल्स का कम इस्तेमाल करें: हेयर ड्रायर, स्ट्रेटनर और कर्लर जैसे हीटिंग टूल्स बालों को नुकसान पहुंचाते हैं। बदलते मौसम में जब बाल पहले से ही कमजोर होते हैं, ऐसे में हीटिंग टूल्स का उपयोग करने से बचना चाहिए। ये बालों को और भी ज्यादा ड्राय कर देते हैं।

हेयर मास्क जरूर लगाएं: हेयर मास्क बालों को मजबूत और शाइनी बनाते हैं। इसलिए इस मौसम में कुछ अंतराल पर हेयर मास्क जरूर लगाएं। हेयर मास्क बनाने के लिए मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगो दें। सुबह इन्हें पीसकर पेस्ट तैयार करें। इसे स्कैल्प और बालों की जड़ों में लगाएं, 30-40 मिनट बाद बालों को धो लें। यह हेयरफाल को कम करने और बालों को मजबूत बनाने में लाभदायक साबित होता है।

(हेयर एक्सपर्ट डॉ. महिमा से बातचीत पर आधारित)

डाइट सजेशन

डॉ. निधि सहाई
हेड-डायटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन
मैक्स सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल एनसीआर

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और इंफेक्शंस से बचाव के लिए, हमारी इम्यूनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी है। इसके लिए क्या खाएं, कब और कैसे खाएं, यह जानना आवश्यक है। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

इंफेक्शन से होगा बचाव ऐसे करें इम्यूनिटी बूस्ट

मौसम बदलते ही सर्दी, जुकाम, खांसी, वायरल बुखार और फ्लू जैसी मौसमी बीमारियां बढ़ने लगती हैं। इसका मुख्य कारण है कमजोर इम्यूनिटी यानी शरीर की कमजोर प्रतिरोधक क्षमता होता है। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत हो तो ये बीमारियां आसानी से शरीर को प्रभावित नहीं कर पाती हैं। ऐसे में अपनी डाइट और लाइफस्टाइल का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। डाइट में कुछ बदलाव कर बॉडी इम्यूनिटी बूस्ट कर सकते हैं।

विटामिन-सी युक्त फल: विटामिन-सी, इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण तत्व होता है। यह शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स को बढ़ाता है और विभिन्न तरह के संक्रमणों से बचाव करता है। विटामिन-सी की जरूरत को पूरा करने के लिए आंवला, संतरा, मौसंबी, नीबू, अमरूद, स्ट्रॉबेरी, पपीता खाना चाहिए।

सजेशन: रोज सुबह खाली पेट एक आंवला खाना इम्यूनिटी बढ़ाने का आसान और असरदार तरीका है।

हरी पत्तेदार सब्जियां: पालक, मेथी, सरसों का साग, ब्रोकली और चौलाई जैसी हरी सब्जियों में विटामिन-ए, बी, आयरन और फोलेट भरपूर मात्रा में होते हैं। ये शरीर को डिटॉक्स करने के साथ संक्रमण से लड़ने में मदद करती हैं।

सजेशन: इन सब्जियों को सूप या स्टर-फ्राई के रूप में शामिल करें, ताकि पोषक तत्व अधिक समय तक सुरक्षित रहें।

लहसुन-अदरक: लहसुन और अदरक में एंटी-वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो सर्दी-जुकाम और गले के संक्रमण से बचाते हैं।

सजेशन: सुबह गुनगुने पानी में थोड़ा अदरक उबालकर पिएं और भोजन में लहसुन का प्रयोग बढ़ाएं।

प्रोटीन रिच प्रोडक्ट्स: प्रोटीन शरीर की कोशिकाओं की मरम्मत करता है और एंटीबॉडीज बनाने में मदद करता है। ये रोगों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सजेशन: अंडा, दालें, चना, राजमा, सोया, पनीर और दही का सेवन करें। हर मील में प्रोटीन का एक स्त्रोत जरूर शामिल करें।

दही और छाछ: दही और छाछ में पाए जाने वाले प्रोबायोटिक्स आंतों को स्वस्थ रखते हैं। स्वस्थ आंतें, मजबूत इम्यून सिस्टम की पहचान हैं।

सजेशन: लंच में एक कटोरी दही या एक गिलास छाछ शामिल करें।

मिलेट्स और साबुत अनाज: बाजरा, ज्वार, रागी और जौ जैसे अनाज फाइबर, आयरन और जिंक से भरपूर होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत रखते हैं और शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रखते हैं।

हर्बल चाय या काढ़ा: तुलसी, दालचीनी, अदरक, काली मिर्च और शहद से बनी हर्बल चाय शरीर को अंदर से गर्म रखती है और संक्रमण से बचाव करती है।

सजेशन: बदलते मौसम में दिन में कम से कम एक बार हर्बल टी या काढ़ा अवश्य पिएं।

पानी पर्याप्त मात्रा में: पानी की कमी से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। गुनगुना पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और टॉक्सिंस बाहर निकलते हैं।

ध्यान रखें: संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम और तनाव को नियंत्रित रखकर आप खुद को फिट रख सकती हैं।

प्रस्तुतिः निकिता चौहान

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर कलेक्टर ने ली अहम बैठक

नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी कराकर मतदाताओं को जागरूक करने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस. जयवर्धन ने जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक ली। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, नगरीय निकायों के अधिकारी, जनपद पंचायत सीईओ तथा जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने प्रत्येक नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी कराकर मतदाताओं को जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बूथ लेवल ऑफिसर बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं। सभी तहसीलों में विशेष कैंप लगाकर डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। बीएलओ द्वारा वितरित गणना पत्रकों का संकलन कर उनकी जानकारी को ठस्व् ऐप में ऑनलाइन एंट्री की जा रही है, ताकि अद्यतन कार्य समय पर पूर्ण किया जा सके। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने सभी एसडीएम को मतदान केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने, कैंपों में बीएलओ द्वारा फॉर्म भरने एवं डिजिटाइजेशन कार्य में तीव्रता लाने के निर्देश दिए हैं। बीएलओ और सुपरवाइजर ग्रामीण क्षेत्रों में गणना पत्रक भरने एवं डिजिटाइजेशन के लिए लगातार फील्ड पर कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को समयसीमा में कार्य पूर्ण करने और किसी भी

कई वार्डो के लोगो को नहीं मिला है फार्म

जिला प्रशासन के मुखिया जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रगति की लगातार समीक्षा कर रहे है और कार्य मे तेजी लाने के निर्देश दे रहे है। परंतु जिला मुख्यालय के ही वार्डो में आज तक कई लोगो के घर तक न ही बीएलओ पहुंचे है और ना ही उन्हें गणना पत्रक ही उपलब्ध कराया गया है। जब जिला मुख्यालय का यह हाल है तो जिले के गांवों की स्थिति क्या होगी यह समझा जा सकता है।

पात्र मतदाता का नाम न छूटने देने के निर्देश दिए। इसके अलावा आम जनता से अपील की गई है कि वे गणना पत्रक को सही-सही भरकर समय पर जमा करें, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन सटीक रूप से किया जा सके। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार यदि डिजिटाइजेशन के दौरान यह पाया जाता है कि किसी मतदाता का नाम पहले से किसी निर्वाचन क्षेत्र की सूची में जुड़ा है, तो उसे किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र की नामावली में अपडेट नहीं किया जाएगा। मतदाता केवल एक ही निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा दस्तावेजों की श्रेणीवार व्यवस्था की गई है।

तीन श्रेणियां की गई है निर्धारित

ऐसे मतदाता, जिनका नाम 2003 एवं 2025 की मतदाता सूची में हो एवं ऐसे मतदाता जिनका नाम 2003 की सूची में न हो, लेकिन 2025 की मतदाता सूची में हो, लेकिन उनके माता-पिता का नाम 2003 की मतदाता सूची में दर्ज हो, ऐसे मतदाताओं को केवल 2003 की मतदाता सूची की छायाप्रति संलग्न करना है। गणना पत्रक भरने हेतु सभी मतदाताओं को सफेद बैकग्राउंड का 02 नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साईज फोटो प्रदान करना होगा।

ऐसे मतदाता, जिनका नाम एवं उनके माता-पिता का नाम 2003 की सूची में न हो। लेकिन उस मतदाता का नाम 2025 की सूची में हो, ऐसे मतदाताओं को जन्मतिथि के आधार पर, जिन मतदाताओं का जन्म 01 जुलाई 1987 से पहले है, तो अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। जिनका जन्म 01 जुलाई 1987 से 02 दिसम्बर 2004 के बीच हुआ हो, वे अपना दस्तावेज एवं माता या पिता में से किसी एक का दस्तावेज देंगे। जिनका जन्म 02 दिसम्बर 2004 के बाद हुआ है, वे अपना, माता एवं पिता का दस्तावेज देंगे। 01 अक्टूबर 2026 की स्थिति में भावी मतदाताओं का फार्म 06 भराया जाएगा, जिसमें नवीन मतदाता बन सकेंगे।9 दिसंबर को होगा मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सत्यापन एवं घर-घर गणना कार्य के पश्चात 05 से 08 दिसंबर तक कंट्रोल टेबल एवं ड्राफ्ट रोल की तैयारियों को अद्यतन किया जाएगा। इसके पश्चात 09 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा।

प्रारंभिक प्रकाशन के बाद 09 दिसंबर से 08 जनवरी 2026 तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। दावा-आपत्तियों का निपटान 31 जनवरी तक पूर्ण कर लिया जाएगा, जबकि मतदाता सूची की शुद्धता के परीक्षण उपरांत 07 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

एसएसपी ने थाना व चौकी एवं छ.ग-म.प्र के सरहदी नवाटोला का किया औचक निरीक्षण

पाई गई खामियों को जल्द दुरूस्त करने दी कड़ी हिदायत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर थाना चांदनी, चौकी मोहरसोप और छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश के बार्डर पर स्थित अंतर्राज्जीय बार्डर नवाटोला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना प्रभारी प्रदीप सिदार से क्षेत्र के निगरानी, गुण्डा बदमाशों की डिटेल जानकारी लेते हुए किए गए चेकिंग के दर्ज ब्यौरे को देखा। थाना के मुलाहिजा, फैना एवं ड्यूटी रजिस्टर का अवलोकन किया एवं पाए गए खामियों को जल्द दुरूस्त करने कड़ी चेतावनी दी। अंतर्राज्जीय बार्डर नवाटोला का जायजा लिया और तैनात अधिकारी व जवानों को सजगता से ड्यूटी करने और अवैध धान सहित किसी प्रकार की अवैध वस्तु की तस्करी पर पूर्णत: अंकुश लगाने तथा शीत लहर से बचाव को लेकर हिदायत दी। एसएसपी ने थाना चांदनी व चौकी मोहरसोप के औचक निरीक्षण में प्रभारियों व विवेचकों को कहा कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धजन एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनकी शिकायतों पर तत्काल विधि संगत कार्रवाई करते हुए उन्हें राहत दिलाए, शिकायत लेकर आने वाले ग्रामीणों के समस्या को बड़े आत्मीयता से सुने और त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। थाना चौकी के औचक निरीक्षण के दौरान जवानों के समस्याओं को जाना और निराकरण का आश्वासन दिया।

विधायक भूलन के प्रयास से प्रेमनगर क्षेत्र में 4 और सड़कों को मिली मंजूरी

विधायक बोले- क्षेत्र का विकास प्राथमिकता, निरन्तर जारी रहेंगे जनहित के कार्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र की वर्षों पुरानी सड़क मांगों को स्वीकृति मिल गई है। उक्त स्वीकृति विधायक भूलन सिंह मरावी के प्रयास का नतीजा है। बताया गया है कि

ग्रामीण विकास संभाग सूरजपुर द्वारा वर्ष 2024-25 में कुल 2.50 किमी सड़क निर्माण के लिए 189.02 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। विधायक श्री मरावी ने बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए वे सड़क पूरी तरह संकल्पित है। बेहतर सड़क के निर्माण से जहां गांव के लोगो की राह आसान होगी वहीं आवागमन की सुविधा आसान होने से गांवों के प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त होगा। ज्ञात हो कि विधायक भूलन सिंह के प्रयास से प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र को बड़े पैमाने पर सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली है और कई जगहों पर कार्य भी प्रारम्भ हो गया है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगो की वर्षो पुरानी सड़क निर्माण की मांग पूरी होने पर लोग काफी गदगद है। लोगो ने विधायक के द्वारा गम्भीरता के साथ क्षेत्र के विकास हेतु किये जा रहे कार्य पर खुशी जाहिर करते हुए उनका आभार भी व्यक्त किया है। सड़क निर्माण के स्वीकृत कार्यों में चारपारा मंदिर नदी मार्ग से ग्राम केंदरई दूरी 0.50 किमी जिसकी स्वीकृत राशि 33.81 लाख रुपये, बिशम्भर के घर खासपारा मार्ग से ग्राम तेलाईकछार लंबाई 1 किमी जिसकी स्वीकृत राशि 76.21 लाख रुपये, हर्रापारा आंगनबाड़ी मार्ग से ग्राम पटना लंबाई 0.50 किमी जिसके लिए स्वीकृत राशि 39.50 लाख, ग्राम पटना खुटनपारा मार्ग में सीसी सड़क, लंबाई .50 किमी स्वीकृत राशि 39.50 लाख रुपये है। निर्माण कार्य हेतु प्रशासनिक औपचारिकताएँ पूर्ण कर ली गई है और कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया तीव्र गति से विभाग के द्वारा की जा रही है। सड़क स्वीकृति की खबर से क्षेत्र में उत्साह है। ग्रामीणों ने बताया कि जर्जर मार्गों से वर्षों तक भारी परेशानी झेलनी पड़ी थी, अब सड़कों के निर्माण से आवागमन सुगम होने के साथ ही विकास कार्यों में गति आएगी।

विधायक श्री मरावी ने कहा कि प्रेमनगर क्षेत्र का संतुलित और तेज विकास उनकी प्राथमिकता है तथा जनहित के कार्य लगातार जारी रहेंगे।

हर बालिका राष्ट्र की पूंजी'' पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम सरहरी स्थित शा.उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ''हर बालिका राष्ट्र की पूंजी'' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी एस जयवर्धन के आदेशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता

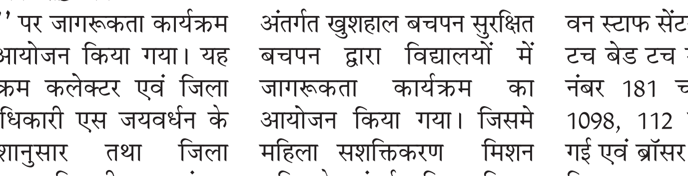

अंतर्गत खुशहाल बचपन सुरक्षित बचपन द्वारा विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे महिला सशक्तिकरण मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती शारदा सिंह जेंडर विशेषज्ञ सलोमी कुजूर एवं पूनम राजवाड़े द्वारा किया गया। जिसमें कन्या भ्रूण हत्या निषेध अधिनियम घरेलू हिंसा अधिनियम सखी वन स्टाफ सेंटर बाल विवाह गुड टच बेड टच महिला हेल्पलाइन नंबर 181 चाइल्डलाइन नंबर 1098, 112 की जानकारी दी गई एवं ब्रॉसर वितरण का कार्य किया गया।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 08.12.2025 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

सिस्टम निविदा क्रमांक.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
178221	11 / व.ले.लि. / 2025-26 दिनांक 17.11.2025	कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी उप संभाग एवं सिंचाई कालोनी वाड्रफनगर योजना।	295.08	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 24.11.2025, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारों को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 (संधोधित 22.08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज
जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते- मुख्य अभियन्ता,
हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी-252604837 / 1

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा0) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार जनकपुर में उपलब्ध पुराना ईमारती काष्ठ एवं पुराना जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार जनकपुर से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम – काष्ठागार जनकपुर
नीलाम दिनांक – 27-11-2025
नीलाम समय – प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ				पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लट्ठा	बल्ली			लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ0मी0			नग	घ0मी0	नग	घ.मी.
1	2	3	4			5	6	7	8
1	सागौन	0	0			366	27.585	3693	41.491
2	साल	0	0			13587	1448.533	1990	51.129
3	साजा	0	0			217	25.333	66	1.366
4	हल्दू,मुण्डी,बांसा	0	0			13	1.016	0	0.000
5	धावड़ा	0	0			18	2.049	0	0.000
6	सतकठा	0	0			36	5.208	2	0.089
	योगः-	0	0			14237	1509.724	5751	94.075
7	मिश्रित जलाऊ	-				525 चट्टा पुराना			
	योग :-	-				525 चट्टा पुराना			

टीप :- 1. केता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. केताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व कय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

जी-252604855/2

झुरहा नाले में डूबने से दो मासूम बहनों की मौत, गांव में पसरा मातम

जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्राम नवगई में हुआ हादसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर/चांदनी बिहारपुर। ग्राम नवगई में बुधवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना घटित हुई, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया। एक ही परिवार की दो मासूम बच्चियों की नाले में डूबने से मौत हो गई है। घटना से गांव सहित क्षेत्र में शोक का माहौल है। घटना बुधवार की सुबह करीब 9 बजे के आसपास की बताई जा रही है। नवगई के राकेश जायसवाल की दोनों पुत्रियाँ 4 वर्षीया पूनम और 3 वर्षीया उर्मिला रोज की तरह आंगनबाड़ी जाने के लिए तैयार होकर निकली थीं। घर से कुछ दूरी पर ही झुरहा नाला बहता है, जहां किनारे अमरूद का एक पुराना पेड़ है। स्थानीय लोगों के अनुसार बच्चियाँ अक्सर खेलते हुए वहां जाया करती थीं। बुधवार की सुबह भी दोनों बहनें नाले के किनारे अमरूद तोड़ने चली गईं। किनारा फिसलन भरा होने और पानी का बहाव थोड़ा तेज होने की वजह से दोनों बच्चियाँ संतुलन खो बैठीं और अचानक फिसलकर नाले के गहरे हिस्से में जा गिरीं। आसपास किसी के न होने के कारण दोनों की चीख-पुकार भी सुनी नहीं जा सकी। कुछ देर बाद जब ग्रामीण वहाँ से गुजरे तो बच्चों के कपड़े और चप्पल किनारे पड़े देख उन्हें अनहोनी का शक हुआ। लोगों ने तुरंत नाले में खोजबीन शुरू की। थोड़ी खोज के बाद दोनों बच्चियों को बाहर

निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ग्रामीणों और परिजनों द्वारा डॉक्टर को बुलाया गया, जहां मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही पूरा नवगई गांव मातम में डूब गया। राकेश जायसवाल और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव की महिलाएँ और बुजुर्ग बच्चे के घर पर जुटे हुए हैं। हर कोई इस दर्दनाक घटना से व्यथित है। ग्रामवासियों ने बताया कि झुरहा नाले में हर वर्ष बारिश के मौसम के बाद पानी काफी गहरा हो जाता है, लेकिन नाले के किनारे किसी भी तरह की सुरक्षा व्यवस्था, चेतावनी बोर्ड या बैरिकेडिंग नहीं है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नाले के किनारे सुरक्षा दीवार, लोहे की रेलिंग और चेतावनी संकेत लगाए जाएँ, ताकि भविष्य में बच्चों और ग्रामीणों की जान जोखिम में न पड़े। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे एक बड़ी लापरवाही बताया और कहा कि वे इस मुद्दे को उच्च प्रशासन तक ले जाएंगे। हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। दो मासूमों की असमय मौत ने गांव के हर परिवार को हिला दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा उपाय किए गए होते तो शायद आज यह दर्दनाक घटना न घटती।

झुरहा नाले से निकली यह खबर जिले के लिए चेतावनी है कि सुरक्षा व्यवस्थाओं को हल्के में लेना किसी भी दिन बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।

शाला संचालन के समय में किया गया परिवर्तन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शीतलहर और अत्यधिक ठंड के दृष्टिगत कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा आदेश जारी कर स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार दो पालियों में संचालित होने वाली कक्षाएं प्रथम पाली में सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 09 बजे से 12:30 बजे तक तथा शनिवार को दोपहर 12:45 से 04:15 बजे तक, इसी क्रम में द्वितीय पाली में संचालित होने वाली कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 12:45 बजे से 04:15 बजे तक व शनिवार को सुबह 09 बजे से 12:30 बजे तक संचालित होंगी।

इसी प्रकार एक पाली में संचालित होने वाली कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 10:00 बजे से 4:00 बजे तक तथा शनिवार को सुबह 09 बजे से 12:30 बजे तक संचालित की जायेंगी।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 04.12.2025 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

सिस्टम निविदा क्रमांक.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
179265	05 / व.ले.लि. / 2025-26 दिनांक 13.11.2025	जौराही जलाशय योजना का बांध व नहर का जीर्णोद्धार कार्य।	133.91	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 20.11.2025, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारों को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 (संधोधित 22.08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज
जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते- मुख्य अभियन्ता,
हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी-252604840 / 2

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला बलरामपुर-रामानुजगंज मुख्यालय बलरामपुर (छ0ग0)

फोन नम्बर 07831-299063
ई-मेल :- acbalrampur@gmail.com

सूचना

बलरामपुर, दिनांक 19 / 11 / 2025

क्रमांक / 253 / निर्माण / आजाक / 2025-25 :: कार्यालयीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना कमांक / 2226 / निर्माण / आजाक / 2025 बलरामपुर, दिनांक 08.11.2025 के द्वारा आमंत्रित की गई आनलाईन ई-निविदा जिसका रिफरेन्स नंबर 252610005248 तथा एडवरटाईज नंबर 252604312 है में निविदा खोलने की नियत तिथि दिनांक 20.11.2025 को समय प्रातः 11.00 बजे निर्धारित किया गया था।

माननीय राष्ट्रपति महोदया का अम्बिकापुर (सरगुजा) में दिनांक 20.11.2025 को प्रवास होने के कारण उक्त तिथि में संशोधन करते हुये निविदा खोलने की तिथि 21.11.2025 को रखी गई है। ई-निविदा को खोलने की कार्यवाही दिनांक 21.11.2025 को प्रातः 11.00 बजे की जावेगी।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी-252604896/2

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

राष्ट्रपति ने बसन्त पण्डो को कहा कि आप मेरे पुत्र की तरह हैं, किया शॉल भेंट

जनजातीय समाज प्रमुखों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से कीं मुलाकात

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जनजातीय गौरव दिवस 2025 के उपलक्ष्य में पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम दौरान जनजातीय समाज प्रमुखों, पीवीटीजी समुदाय के समाज प्रमुखों, जनजातीय समाज के उत्थान में विशेष योगदान देने वालों, जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम में सेनानियों के परिजनों से भेंट की। उन्होंने इन सभी के साथ समूह में फोटो खिंचवाया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले जनजातीय जननायकों एवं सेनानियों के परिजनों का सम्मान किया। उन्होंने सोनाखान क्रांति के जननायक शहीद वीर नारायण सिंह एवं शहीद वीर नारायण सिंह के सेनापति, परलकोट क्रांति के जननायक शहीद गेंद सिंह, झण्डा सत्याग्रह के जननायक सुकदेव पातर, भूमकाल क्रांति के जननायक बन्टु धुरवा, जंगल सत्याग्रह के जननायक शहीद रामधीन गोड़, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजनाथ भगत एवं माझी राम गोंड़ के परिजनों से भेंट की। राष्ट्रपति ने बिरहोर जनजाति के राजेश बिरहोर, अबुझमाड़िया जनजाति के रामजी ध्रुव, बैगा जनजाति के एतवारी राम मछिया एवं पहाड़ी कोरवा जनजाति के जोगीराम से सौजन्य भेंट करके उनका हाल-चाल पूछा। उरांव जनजाति के मंगल उरांव, नगेशिया जनजाति के धनराम नागेश, खैरवार जनजाति के वीर सिंह खैरवार, कंवर जनजाति के संजय सिंह, नागवंशी जनजाति के लक्कू राम नागवंशी, मुरिया जनजाति के धनीराम शोरी, गोंड़ जनजाति के मोहन सिंह, पण्डो जनजाति के विनोद कुमार पण्डो एवं चेरवा जनजाति के डी.एन. चेरवा से भी भेंट की। राष्ट्रपति कार्यक्रम के दौरान पण्डो जनजाति के बसन्त पण्डो से मिलीं। उन्होंने उनका कुशल क्षेम जाना और उन्हें शॉल भेंट किया। बसन्त पण्डो ने राष्ट्रपति को बताया कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जब वर्ष 1952 में अंबिकापुर आए थे, तब वे 8 वर्ष के थे। राष्ट्रपति ने बसन्त पण्डो को गोद लिया और उनका नामकरण किया था। बसंत पण्डो को गोद लेने के बाद, पण्डो जनजाति को 'राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र' कहलाने का दर्जा प्राप्त हुआ। राष्ट्रपति ने बसन्त पण्डो को कहा कि आप मेरे भी पुत्र की तरह हैं।

जनजातीय संस्कृति व शिल्प को दर्शाते स्टॉलों का अवलोकन

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कार्यक्रम स्थल में जनजातीय संस्कृति, लोक कला एवं शिल्प, आभूषण एवं वस्त्र, पूजा-पाठ, संस्कार, व्यंजन, वाद्ययंत्रों, जड़ी-बूटियों आदि को प्रदर्शित करने हेतु लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। वे सांकेतिक रूप से बनाए गए जनजातियों के पारंपरिक अखरा स्थल एवं जनजाति निवासरत ग्रामों के प्रमुख धार्मिक आस्था के केन्द्र देवगुड़ी के मॉडल का अवलोकन कर यहां देवताओं की आराधना कीं। ग्रामीण विभिन्न लोक पर्वों जैसे करमा, महादेव बायर, तीजा आठे, जीवतिया, सोहराई, दसई, फगवा के अवसरों में सामूहिक रूप से इकट्ठा होकर लोकगीत गाकर पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप में लोकनृत्य करके उत्साह मनाते हैं। प्रदर्शनी में जनजातीय समुदाय के लोगों ने पारंपरिक नृत्य का प्रदर्शन भी किया। जनजाति निवासरत ग्रामों के प्रमुख धार्मिक आस्था के केन्द्र देवगुड़ी को राज्य में क्षेत्रवार विभिन्न नामों जैसे देवाला देववल्ला, मन्दर, शीतला, सरना आदि नामों से भी जानते हैं। देवगुड़ी में ग्रामीण देवी-देवता जैसे बुढ़ादेव, बुढ़ीदाई, शीतला, सरनादेव, डीहवारीन, महादेव आदि विराजमान होते हैं। जनजातीय विभिन्न लोकपर्वों के अवसरों में सामूहिक रूप से इकट्ठा होकर ग्रामीण बैगा की अगुवाई में पूजा-पाठ कर ग्राम की सुख, शांति, समृद्धि हेतु कामना करते हैं।

कलिंदर राम ने राष्ट्रपति को पैरी और गमछा किया भेंट

कार्यक्रम स्थल पर राज्य के पारंपरिक आभूषणों की प्रदर्शनी लगाई गई। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर आभूषणों के संबंध में जानकारी ली। कलिंदर राम ने राष्ट्रपति को पैरी और गमछा भेंट किया, जिसे राष्ट्रपति ने आत्मीयता के साथ स्वीकारा। उन्होंने राष्ट्रपति को बताया कि पारम्परिक आभूषण गिलट, तांबे, चांदी, सोना आदि धातु से निर्मित हैं, जिसे विभिन्न लोकपर्वों के अवसर में धारण करते हैं। इस दौरान गले में पहने जाने वाले हसुली, बांह में बहुटा, कलाई में ऐंठी, गले में रूपया वाला चंदवा, कमर में कमरबंध, पैर में पैरी एवं पैर की अंगुलियों में बिछिया, कान में ठोठा तथा नाक में पहने जाने वाले छुछिया (फूली) का प्रदर्शन किया गया।

मिट्टी, लकड़ी से बने आवास मॉडल का अवलोकन

कार्यक्रम स्थल में छत्तीसगढ़ में निवासरत जनजातियों के पारंपरिक आवास का मॉडल बनाया गया था। राष्ट्रपति ने आवास मॉडल का भी अवलोकन किया। जनजातियों का आवास मिट्टी, लकड़ी से निर्मित होते हैं, जिसमें एक या दो कमरे व मुख्य कमरे के सामने की ओर परछी (बरामदा) बने होते हैं। घर के छप्पर में ढालनुमा खपरैल लगे होते हैं। एक कमरे को रसोई कक्ष के रूप में उपयोग करते हैं, जिसमें रसोई उपकरण व घरेलू सामान रखते हैं, दूसरे कक्ष को शयन कक्ष के रूप में उपयोग करते हैं। परछी (बराम्दा) में अन्य घरेलू सामान जैसे ढ़ेकी, मूसल, सील-बट्टा, जांता आदि उपकरण होते हैं।

वाद्ययंत्रों को देखकर राष्ट्रपति हुईं मंत्रमुग्ध

प्रदर्शनी में जनजातियों द्वारा लोकपर्वों में मनोरंजन के लिए बजाए जाने वाले वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रपति ने इन वाद्ययंत्रों को देखा। राज्य में निवासरत जनजातियां उत्साह के लिए तत, अवनद्ध, घन और सुषिर वाद्ययंत्रों का वादन करते हैं, जिनकी मधुर ध्वनियां उत्सव के अवसर में देखते ही बनता है। कई ऐसे वाद्ययंत्र हैं, जिनकी आवाजें मीलों दूर तक गूंजती है और लोगों को स्वत: नृत्य करने हेतु प्रेरित करती है। सरगुजा व बस्तर अंचल में तो कई महीनों तक निरंतर वाद्ययंत्र की आवाजें सुनाई पड़ती है। इन वाद्ययंत्रों के कारण ही जनजातियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत आज भी जीवंत है। सरगुजांचल के जनजातियों द्वारा विभिन्न लोकपर्वों में वादन किया जाने वाले वाद्ययंत्र मांदर, ढोल, झांझ, मजीरा, तम्बूरा, सरंगी, खंजरी, बांसुरी, चौरासी एवं पैजन का प्रदर्शन किया गया।

इलाज में इस्तेमाल होने वाली जड़ी-बूटियां प्रदर्शित

कार्यक्रम स्थल में आयोजित प्रदर्शनी में राज्य में निवासरत जनजातियों द्वारा शारीरिक विकार के उपचार हेतु प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियां प्रदर्शित की गई। प्रदर्शनी में अश्वगंधा, कुलंजन, मुलेठी, सफेद मूसली, गिलोय, लाल झीमटी, अर्जुन छाल, पिसिया, भुईचम्पा, गोखरू, कुटज की छाल, गुडमान की पत्ति, विरैता, रोहिने की छाल, बालमखिरा, हर्रा एवं बेहड़ा बड़ी इमली का बीज, हड़सिंगार, अकरकरा, चिरईगोड़ी, शिलाजीत एवं बलराज आदि रखे गए थे। वनांचल, पहाड़ी, घाटी, तराई में निवास करने वाले लोगों ने बताया कि उनके निवास क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के औषधीय पेड़-पौधे, कन्दमूल बेल पाए जाते हैं। जनजाति समाज के लोग शारीरिक विकार होने पर इन्हीं जंगली-जडी-बूटियों से अपना उपचार कराते हैं। जनजाति समाज के वैद्य, बैगा, गुनिया, हथजोड़ से वंशानुगत रूप से लोगों का उपचार करते हैं।

पारम्परिक व्यंजन एवं कंदमूल

तीज-त्यौहारों, अन्य अवसरों में जनजातीय समुदायों द्वारा बनाए जाने वाले व्यंजनों की प्रदर्शनी भी यहां लगाई गई थी, जिसमें विभिन्न प्रकार के रोटी, चटनी, कोहरी (बरी), लड्डू आदि रखे गए थे। जनजातीय महिलाएं प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं से व्यंजन तैयार करते हैं और जंगलों से विभिन्न प्रकार के कंदमूल, फल-फूल आदि एकत्र कर खाद्य के रूप में उपयोग करते हैं। यहां पीठारू कांदा, डांग कांदा, नकवा (चूरका) कांदा, सखईन कांदा आदि प्रदर्शित किए गए।

पत्नि पर टांगी से हमला, पति की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शराब के नशे में पत्नी पर टांगी से हमला करके भागा पति संदेहास्पद स्थिति में अपने ही घर में घायल अवस्था में मिला, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के स्वजन गिरने से चोटिल होने की संभावना जता रहे हैं। मृतक की पत्नी का घायल अवस्था में निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम चूहाकोना निवासी करम साय पिता मंगरा राम 40 वर्ष, शराब पीने का आदी था। 13 नवम्बर को वह शराब के नशे में अपनी लिदुर के साथ मारपीट कर रहा था। इस दौरान आवेश में आकर वह पत्नी के दाहिने पैर में टांगी से हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी और खून बह रहा था। पत्नी के पैर में आए जख्म को देखकर वह मौके से भाग गया। घायल लिदुर को स्वजन शंकरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर निजी वाहन से होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां उसका उपचार चल रहा है। इधर जख्मी महिला के स्वजन का कहना है कि जब वे घर गए तो दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खोलकर वे अंदर गए तो करम साय घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। करम साय को शंकरगढ़ अस्पताल से इलाज कराने के बाद रेफर करने पर 18 नवम्बर को वे उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 19 नवम्बर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

कीटनाशक का सेवन किए ग्रामीण की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सड़क हादसे में पुत्र की मौत के बाद से व्यथित रहने वाले ग्रामीण ने कीटनाशक का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक चखु राम पिता स्व. करीजन राम 47 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम उदारी का रहने वाला था। उसके इकलौत पुत्र की सड़क हादसे में मौत होने के बाद वह उदास रहता था। 18 नवम्बर को वह घर में अकेले था, इस बीच वह कीटनाशक का सेवन कर लिया।
कीटनाशक का खाली पात्र फेंकते पत्नी की नजर पड़ गई, और वह अपने पति के पास जाकर पूछताछ की, लेकिन वह कुछ नहीं बताया। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आए, यहां इलाज के दौरान 19-20 नवम्बर की दरम्यानी रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत का वास्तविक कारण जानने के लिए पुलिस ने मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम चठिरमा की उषा सिंह पति कुंवर सिंह 25 वर्ष, आठ माह की गर्भवती थी। 19 नवम्बर की रात को वह अपने पति को गर्मी लगने की जानकारी दी, जिस पर उसका पति पंखा से हवा करने लगा, लेकिन उसे राहत नहीं मिली। इसकी जानकारी वह मितानिन को दिया, जिस पर शासकीय एम्बुलेंस से वे महिला को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे भर्ती कर लिया था, और आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध करा रहे थे। 20 नवम्बर को महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। महिला जिन परिस्थितियों के बीच अस्पताल पहुंची, इसे देखते हुए बीपी बढ़ने की संभावना बनी हुई है। बहरहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

स्वजन काट रहे थे धान, इधर बच्ची की जहरीले सांप के डसने से मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सर्पदंश से पीड़ित तीन वर्षीय बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।
जानकारी के मुताबिक जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत पंडरापाट, बटुर पखोर नाला के पास रहने वाला शिवनाथ सिंह अपनी 3 वर्षीय बच्ची मीरा सिंह और पत्नी के साथ गांव में ही धान काटने के लिए गया था। माता-पिता धान काटने गए तो बच्ची खेत के पास ही खेल रही थी। इसी दौरान उसे जहरीले सांप ने काट लिया। बच्ची के रोने, चिल्लाने की आवाज सुनकर स्वजन पहुंचे, तो वह सांप के काटने की जानकारी दी। पैर में सांप के काटने का निशान देखकर वे उसे शंकरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर बच्ची को लेकर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 20 नवम्बर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जनजातीय गौरव दिवस की राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मानित हुए अजय चतुर्वेदी

तीन जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों सहित 40 वीरों पर शोध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समारोह का भव्य समापन भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मुख्य आतिथ्य में हुआ। जनजातीय गौरव दिवस के प्रथम दिवस 19 नवंबर को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सरगुजा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी के व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी को विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान छत्तीसगढ़ शासन आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग की प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, सरगुजा कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा एवं आदिम जाति अनुसंधान संस्थान रायपुर की संचालक हिना अनिमेष नेताम द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।
राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री चतुर्वेदी ने 'सरगुजा अंचल की जनजातियों का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान' विषय पर अपना प्रभावी शोध-पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि सरगुजा अंचल से तीन प्रमुख जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं, जिनका आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने सरगुजा के 40 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की खोज कर उनके जीवन-वृत्त पर पुस्तक का लेखन किया है। राष्ट्रीय संगोष्ठी में सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर भी उपस्थित रहे। इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 9 ख्यातिलब्ध विद्वानों ने अपने शोध-पत्रों का वाचन किया, जिससे कार्यक्रम ज्ञानपूर्ण और शोध-संपन्न बन गया। अजस चतुर्वेदी को उनकी साहित्यिक उपलब्धियों हेतु पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्मृति पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जा चुका है। इससे पूर्व वे राज्य शिक्षक सम्मान 2010 के अंतर्गत राज्यपाल द्वारा सम्मानित हो चुके हैं। अजय कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि जनजातीय समाज के संघर्ष, संस्कृति और स्वतंत्रता में उनके योगदान को राष्ट्रीय स्वरूप देना उनका निरंतर प्रयास है, यह सम्मान उसी दिशा में प्रेरक ऊर्जा प्रदान करता है।

दुकान के सामने से स्कूटी चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवापारा चर्च के सामने स्थित दुकान के सामने से स्कूटी अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया। घटना 16 नवम्बर को सुबह 9.14 बजे के लगभग की है। दुकान संचालक विजय गोयल ने पुलिस को बताया है कि वह अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीवाई 3938 को अपने दुकान के सामने खड़ा किया था। अचानक स्कूटी गायब देखकर जब उन्होंने आसपास अपने दोपहिया वाहन को तलाशना शुरू किया तो नवापारा चैक पर लगे सीसीटीव्ही कैमरे में स्कूटी चोरी करके ले जाते अज्ञात व्यक्ति नजर आया। सूचना पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और चोर के तलाश में लगी है।

विश्व शौचालय दिवस पर आकांक्षी शौचालय का लोकार्पण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विश्व शौचालय दिवस पर स्वच्छ भारत मिशन शहरी अंतर्गत नवनिर्मित आकांक्षी शौचालय का लोकार्पण महापौर एवं सभापति ने किया। पुराना बस स्टैंड परिसर में 28 लाख रुपये की लागत से 10 सीटर सर्व सुविधायुक्त शौचालय का निर्माण किया गया है। शौचालय में पुरुष एवं महिला हेतु पृथक-पृथक शौचालय, मूत्रालय एवं स्नानागार की सुविधा है। साथ ही दिव्यांगजन एवं बच्चों के लिए सुविधायुक्त शौचालय बनाया गया है। इस अवसर पर निगम के सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी, एमआईसी सदस्य मनीष सिंह, सुशांत घोष, जितेंद्र सोनी, ममता तिवारी, अनिता रविन्द्र गुप्त भारती, श्वेता गुप्ता, विपिन पाण्डेय, रविकांत उरांव, शशिकांत जायसवाल, प्रियंका गुप्ता सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर